दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेंगे, बार-बार आयेंगे...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 287 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये मंगलवार 20 जनवरी 2026 डाक-बुधवार 21 जनवरी 2026 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

भीषण हादसा : हाई-स्पीड ट्रेनों में हुई जबरदस्त टक्कर, 21 की मौत-70 घायल; 30 की हालत गंभीर

मैड्रिड ,20 जनवरी । स्पेन के दक्षिणी हिस्से में स्थित कॉर्डोबा शहर के पास एक दर्दनाक रेल हादसा हुआ, जिसमें दो हाई-स्पीड ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक कम से कम 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 70 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से 30 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मलागा से मैड्रिड जा रही एक हाई-स्पीड ट्रेन, जिसमें कुल 317 यात्री सवार थे, कॉर्डोबा से लगभग 20 किलोमीटर दूर अदामुज इलाके के पास अज्ञात कारणों से पटरी से उतर गई ।पटरी से उतरने के बाद यह ट्रेन पास की लाइन पर आ रही दूसरी हाई-स्पीड ट्रेन से टकरा गई, जो मैड्रिड से हुएल्वा की ओर जा रही थी। इस टक्कर से दूसरी ट्रेन के डिब्बे भी पटरी से उतर गए। मंत्री पुएंते ने इस हादसे को भयानक बताया और कहा कि मलागा-मैड्रिड ट्रेन के आखिरी दो डिब्बे सामने से आ रही ट्रेन के पहले दो डिब्बों से टकरा गए, जिससे दोनों ट्रेनों को भारी नुकसान हुआ।

घटना की खबर मिलते ही अंडालूसिया क्षेत्र की आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों ने भी मदद का हाथ बढ़ाया और मामूली रूप से घायल यात्रियों को पास के एक केंद्र तक पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया।

भाजपा में 'नितिन' का 'नबीन' अध्याय शुरू, सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संभाली कुर्सी

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नए अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के अध्यक्ष चुने जाने पर नितिन नबीन को हार्दिक बधाई। पिछले कई महीनों से संगठन की सबसे छोटी इकाई से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक, पूरी प्रक्रिया शत प्रतिशत लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई है। आज ये प्रक्रिया विधिवत और औपचारिक रूप से संपन्न हो गई है। पूर्व अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से भाजपा का जो विजय रथ चला है, वह अब नितिन नबीन के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। आज हमारी 20 राज्यों में सरकार है।

हमने बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में दूसरी बार सरकार बनाई है। अब पीएम मोदी और नितिन नबीन के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल में भी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नितिन जो मूलतः कार्यकर्ता हैं, वैचारिक पृष्ठभूमि पर परिपक्व हैं और बहुत ही छोटी उम्र में पांच बार विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में भी विधायक हैं। बिहार सरकार में कई बार मंत्री रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय युवा मोर्चा के महासचिव के रूप में आपको सारे देश का भ्रमण करने का मौका मिला, आपने सारे देश को समझा। नितिन नबीन सिक्किम और छत्तीसगढ़ के भी प्रभारी रहे हैं। इससे पहले पदभार ग्रहण करने से पहले नितिन नबीन ने मंगलवार सुबह विभिन्न धर्म स्थलों में पूजा अर्चना की। श्री नबीन के साथ दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रमुख संजय मयूख सहित कई अन्य नेता मौजूद थे। श्री नबीन सबसे पहले झंडेवालान स्थित शक्ति की देवी माता झंडेवाली के मंदिर जा कर प्रार्थना की । इसके बाद उन्होंने मंदिर मार्ग स्थित श्री बाल्मिकी मंदिर में, बाबा खडगसिंह मार्ग सिंह प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की।

किश्तवाड़ हमले के बाद चंबा की सीमाएं सील, सुरक्षा हाई अलर्ट पर

शिमला,चंबा,20 जनवरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पड़ोसी जिले किश्तवाड़ में हुए आतंकी हमले के बाद चंबा जिला की सीमाएं सील कर दी गई हैं। सीमाओं पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया गया है। चंबा के पुलिस अधीक्षक ने जिले की सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों को गश्त बढ़ाने और कुछ भी संदिग्ध दिखने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश जारी किए हैं।

डोडा-किश्तवाड़ होते हुए जम्मू से आने वाले वाहनों की भी गहन जांच की जा रही है।

चंबा जिले की लगभग 216 किलोमीटर लंबी सीमा जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील जिलों डोडा और कठुआ से लगती है। रविवार को किश्तवार में आतंकी हमला करने के बाद तीन आतंकवादी फरार हो गए। सेना और सुरक्षा एजेंसियां उनकी तलाश में हाई अलर्ट पर हैं। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि किश्तवाड़ में हुई आतंकी घटना के मद्देनजर जिला की सीमाओं को सील करने और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

बंद मकान से एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले, शरीर पर थे गोलियों के निशान

सहारनपुर ,20 जनवरी (एजेंसी)। सरसावा क्षेत्र की कौशिक विहार कॉलोनी में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद मकान के अंदर एक ही परिवार के पांच लोगों के शव बरामद किए गए। सूचना मिलते ही एसपी देहात पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मकान अंदर से बंद मिला और सभी शवों पर गोली के निशान पाए गए हैं। मृतकों की पहचान अशोक, उनकी पत्नी अंजिता, मां विद्यावती और दो बेटे कार्तिक व देव के रूप में हुई है। अशोक तहसील में अमीन के पद पर तैनात थे।

मौके से तीन तमंचे भी बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में मामला सामूहिक आत्महत्या या हत्या-आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

'सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद कैसे बन गए शंकराचार्य...24 घंटे में दें जवाब', अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्राधिकरण का नोटिस

प्रयागराज ,20 जनवरी (एजेंसी)। माघ मेला में मौनी अमावस्या के स्नान पर्व के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की शोभायात्रा रोके जाने के बाद चल रहे विवाद में नया मोड़ आ गया है। माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी कर उनसे यह स्पष्ट करने को कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद उन्होंने अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' की उपाधि क्यों लिखी है।

प्राधिकरण की ओर से भेजे गए नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में लंबित सिविल अपील का हवाला देते हुए कहा गया है कि इस मामले में अभी तक कोई अंतिम आदेश पारित नहीं हुआ है। ऐसे में वर्तमान में कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं माना जा सकता। इसके बावजूद मेला क्षेत्र में लगे शिविर के बोर्ड पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' अंकित किया है। प्राधिकरण ने 24 घंटे के भीतर बोर्ड में आवश्यक सुधार करने और इसका कारण स्पष्ट करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में शोभायात्रा के साथ स्नान करने जा रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोके जाने के बाद यह विवाद गहराता चला गया। स्वामी ने इसे अपना अपमान बताते हुए और अपने शिष्यों के साथ पुलिस द्वारा अभद्रता किए जाने का आरोप लगाते हुए मेला प्रशासन के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। रविवार को महास्नान के दौरान स्वामी द्वारा संगम में डुबकी न

लगाए जाने के मामले में सोमवार दोपहर उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इसके बाद पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपना पक्ष सामने रखा।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि स्वामी को स्नान करने से रोका नहीं गया था, बल्कि उनसे आग्रह किया गया था। प्रशासन की आपत्ति पहिया लगी पालकी को लेकर थी, जिस पर सवार होकर वे संगम नोज तक जाना चाहते थे। उस समय संगम नोज पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ थी और ऐसी स्थिति में पालकी के साथ वहां पहुंचने से भगदड़ या किसी अन्य अप्रिय घटना की आशंका थी।

बताया गया कि रविवार को माघ मेला के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या के दिन स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की पहिया लगी पालकी के साथ शिविर से संगम की ओर निकल रही शोभायात्रा को पुलिस ने रोक दिया था। इससे आक्रोशित शिष्यों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पुलिस ने कुछ शिष्यों को हिरासत में ले लिया। शिष्यों की ओर से स्वामी के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट के आरोप लगाए गए हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती त्रिवेणी मार्ग स्थित अपने शिविर के गेट के सामने धरने पर बैठ गए। वहीं पुलिस का आरोप है कि शिष्यों ने बैरिकेडिंग तोड़ी। पुलिस ने शिष्य प्रत्यक्षचैतन्य मुकुंदानंद गिरि सहित कई लोगों को हिरासत में लिया है।

एसईसीएल कर्मचारियों की बस रोककर अंदर घुसे बदमाश, कर्मचारी को बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल...

सूरजपुर। सूरजपुर में दिनदहाड़े गुंडागर्दी का मामला सामने आया है. एसईसीएल आमगांव खदान से ड्यूटी कर कर्मचारियों को लेकर लौट रही बस को रास्ते में रोककर बदमाशों ने उत्पात मचाया. आरोप है कि आरोपियों ने पहले बस चालक के साथ गाली-गलौज की, फिर बस के अंदर घुसकर एक एसईसीएल कर्मचारी के साथ मारपीट की. घटना के दौरान बस के भीतर हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. वीडियो के वायरल होने के बाद पीड़ित कर्मचारियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस से गुहार लगाई. मामले में कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है और वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है.

कर्नाटक में अश्लील वीडियो कांड पर सरकार का एक्शन, डीजीपी रामचंद्र राव को किया सस्पेंड

नई दिल्ली ,20 जनवरी (एजेंसी)। कर्नाटक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) के महानिदेशक (डीजीपी) रामचंद्र राव को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके कथित अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है। वीडियो में वह एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं, जिससे राज्य में भारी विवाद खड़ा हो गया है।

हालांकि, रामचंद्र राव ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें फंसाया जा रहा है और वीडियो पूरी तरह से फर्जी हैं। वीडियो सामने आने के बाद वह कर्नाटक के गृह मंत्री

जी परमेश्वर से मिलने उनके आवास पहुंचे थे, लेकिन दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी। गृह मंत्री के आवास के बाहर मीडिया से बातचीत में रामचंद्र राव ने कहा कि यह पूरा मामला मनगढ़ंत है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रामचंद्र राव को उनके कार्यालय में एक महिला के साथ आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए देखा जा सकता है। एक वीडियो में वह पुलिस वर्दी में कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वह सूट पहने हुए हैं। दोनों ही वीडियो में उनके कार्यालय में भारतीय ध्वज तिरंगा और पुलिस विभाग का प्रतीक चिन्ह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सूत्रों के मुताबिक, ये वीडियो कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों से रिकॉर्ड किए गए हैं और करीब एक साल पुराने बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये वीडियो फिल्म अभिनेत्री रान्या राव की सोना तस्करी के मामले में गिरफ्तारी से पहले के हैं। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन वीडियो को इसी समय सार्वजनिक क्यों किया गया। गौरतलब है कि रामचंद्र राव पहले भी विवादों में रह चुके हैं। वह जेल में बंद अभिनेत्री रान्या राव के सौतेले पिता हैं। रान्या राव को मार्च 2025 में सोना तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने पिता के पद का लाभ उठाकर सरकारी प्रोटोकॉल का दुरुपयोग किया।

प्रदेश में तेजी से बदल रहा मौसम, एक-दो इलाके में शीतलहर और कोहरे की संभावना

रायपुर,20 जनवरी (एजेंसी)। प्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। जनवरी के तीसरे सप्ताह में ही गर्मी के संकेत मिलने लगे हैं। दिन में तेज धूप निकलने से अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री तक ऊपर पहुंच गया है, वहीं रात की ठंड भी कमजोर पड़ रही है और न्यूनतम तापमान में लगातार 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार रायपुर में सोमवार को अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री रहा। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड जरूर महसूस हुई, लेकिन दिन चढ़ते ही धूप ने असर दिखाया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिनों तक रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने की संभावना जताई गई है।

प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है। दुर्ग संभाग के एक-दो इलाकों में शीतलहर का असर जरूर देखा गया, लेकिन कुल मिलाकर ठंड का प्रभाव कमजोर पड़ता जा रहा है।

प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दुर्ग और राजनांदगांव में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 8.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

यूथ गेम्स में बड़ी लापरवाही, खिलाड़ियों को अंधेरे में बांटे पुरस्कार, बच्चों की घर वापसी के लिए नहीं थे वाहन

राजगढ़,20 जनवरी (एजेंसी)। खेलो इंडिया-खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 के तहत राजगढ़ के उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान पर आयोजित किया गया कार्यक्रम अव्यवस्थाओं से घिरा नजर आया। यहां पर शाम के लिए प्रकाश की व्यवस्था नहीं की गई, जिसके कारण अंधेरे में मोबाइल व टॉर्च की रोशनी में पुरस्कार बांटे गए।

बच्चों को घरों के लिए लौटने के लिए वाहनों के इंतजाम भी नहीं किए गए थे, जिससे दूर-दराज से आए बच्चे परेशान होते

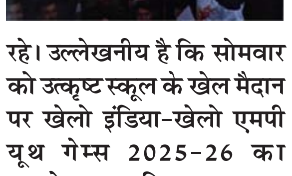

रहे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को उत्कृष्ट स्कूल के खेल मैदान पर खेलो इंडिया-खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025-26 का आयोजन किया गया थाकार्यक्रम में नरसिंहगढ़। खिलचीपुर, पचोर, जीरापुर सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बच्चे पहुंचे थे।

कई निजी स्कूलों के माध्यम से आए अधिकांश बच्चे दोपहर बाद स्कूल वाहनों से लौट गए, लेकिन कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा, जिसके कारण बच्चों को समय पर वाहन नहीं मिल सके और वे देर तक मैदान में भटकते रहे। बच्चों के लिए देर शाम को वाहनों का इंतजाम नहीं किया, जिससे वह परेशान होते रहे।

मैदान में दूर-दूर तक बच्चों की भीड़ लगी रही। कई खिलाड़ी थके-हारे थे, जिन्हें समय पर नाश्ता और चाय तक उपलब्ध नहीं कराया गया। खेल एवं युवक कल्याण विभाग ने इसे महज औपचारिकता बना दिया।

बस्तर के 'लंगूर राजा' का जयपुर में जलवा, आदिवासी कलाकार पिसाडूराम को मिला पेंटिंग के लिए 'ओजस आर्ट अवार्ड'

जगदलपुर,20 जनवरी (एजेंसी)। हस्तशिल्प के क्षेत्र में बस्तर के आदिवासी कलाकारों की पुराने समय से ही प्रसिद्धि रही है। यहां के चित्रकार अब चित्रकारी में भी अपना कला का लोहा मनवा रहे हैं। इस क्षेत्र में बस्तर में नारायणपुर जिले का शिल्पकारों और चितरों के गढ़ के नाम से चर्चित ग्राम गढ़बेगाल के मुरिया आदिवासी कलाकार पिसाडूराम सलाम को राजस्थान के गुलाबी शहर जयपुर में आयोजित वेंदाता जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में 16 जनवरी को उनकी पेंटिंग लंगूर राजा के लिए 'ओजस आर्ट अवार्ड-2026' से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि समारोह में ही पेंटिंग तैयार करने की प्रतिस्पर्धा थी। 78 वर्षीय पिसाडूराम मंडावी काष्ठशिल्पी हैं और

चित्रकारी में भी निपुण हैं। कक्षा तीसरी तक पढ़ाई करने के बाद पिसाडूराम सलाम गांव और परिवार के अन्य सदस्यों की तरह शिल्पकारी को अपना पेशा बना लिया था। काष्ठशिल्प के साथ चित्रकारी में उनकी दक्षता है।

उनकी बनाई गई पेंटिंग भारत भवन भोपाल, मानव विज्ञान संग्राहालय भोपाल और जगदलपुर, गुरु घासीदास संग्राहालय रायपुर आदि कई नामचीन संस्थानों में शोभायमान हैं। उनके नाती युवा शिल्पी और चित्रकार बलदेव मंडावी ने बताया कि सितंबर 2025 में पिसाडूराम सलाम की एक पेंटिंग मुंबई में पंडोलेस नीलामी घर में तीन लाख 20 हजार रुपये में बिकी थी।

प्रकृति के रंग दिखते हैं चित्रों में- पिसाडूराम सलाम अंचल के अन्य आदिवासी कलाकारों की ही तरह जंगल और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़े हैं। मुख्यतः बस्तर की आदिवासी संस्कृति, प्रकृति और वन्यजीव व देवी-देवताओं की पेंटिंग बनाने वाले पिसाडूराम सलाम इन पात्रों की उर्जा को जीवंत ढंग से रंगो के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं।

स्थानीय प्रतिभाओं के साथ बालको लिख रहा है आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की इबारत

बालकोनगर (छ.ग.गौरव)। आज के समय में बेहतर करियर के लिए युवाओं को अक्सर अपने परिवार, गाँव-शहर और जड़ों से दूर जाना पड़ता है। करियर के अवसर और अपनों के साथ रहने के बीच चयन करना आज के युवाओं के लिए एक आम दुविधा बन गया है। छत्तीसगढ़ की एकमात्र एल्यूमिनियम उत्पादक कंपनी बालको इस धारणा को बदलते हुए राज्य में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को बिना अपने राज्य से बाहर गए, अपने घर के पास रहते हुए आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

बालको ने विस्तार परियोजना, आधुनिक तकनीक और कौशल विकास में लगातार निवेश किया है। इससे इंजीनियरिंग, प्रचालन, रखरखाव, सुरक्षा, प्रशासन, सामुदायिक विकास और अन्य क्षेत्रों में अच्छे रोजगार के अवसर बने हैं। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को राज्य से बाहर जाए बिना ही बड़े और वैश्विक स्तर के काम करने का मौका मिल रहा है।

युवाओं के लिए बालको में नौकरी सिर्फ एक रोजगार नहीं, बल्कि परिवार के सपनों की पूर्ति है। इन्हीं में से एक रायगढ़ के रिशोरा गांव की रहने वाली स्मिता प्रधान, जो बालको में जूनियर एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत हैं, वे कहती हैं कि जब मैंने अपने माता-पिता को बताया कि मेरा चयन बालको में हो गया है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनके लिए यह सपना सच होने जैसा था कि उनकी बेटी छत्तीसगढ़ में रहकर ही अपना भविष्य बना रही है। तीन साल के अनुभव को साझा करते हुए स्मिता बताती हैं कि मुझे कभी नहीं लगा कि मेट्रो शहर में काम न करने से मैं कुछ खो रही हूं। मैं यहां लगातार सीखते हुए आगे बढ़ रही हूं, इसके लिए मैं कंपनी की बेहद आभारी हूं।

इसी तरह रायगढ़ की मिथिला प्रधान, जो पॉटलाइन में जूनियर एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत हैं। वे बताती हैं कि रसायन विज्ञान में मास्टर्स करते समय मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतना आधुनिक और औद्योगिक वातावरण मिलेगा। यहाँ हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है, जो मेरे भविष्य को आकार दे रहा है। साथ ही अपने जड़ों से जुड़े रहते हुए आगे बढ़ना मेरे लिए बेहद संतोषजनक है।

फाउंड्री में शिफ्ट इंचार्ज देवाशीष पटेल के लिए बालको का माहौल उनके कॉलेज के दिनों की याद दिलाता है। वे कहते हैं कि यहां सीखने का तरीका बहुत सहयोगात्मक और व्यावहारिक है। काम के बाद टाउनशिप के खुले और हरित वातावरण में समय बिताना उन्हें सुकून देता है। बालको अस्पताल के बारे में वे बताते हैं कि मेरे माता-पिता को नियमित स्वास्थ्य सुविधा मिलती है, इससे मुझे बहुत मानसिक शांति मिलती है।

बेक ओवन में कार्यरत पीजीटी मनीष कुमार पटेल बताते हैं कि बालको छत्तीसगढ़ के कॉलेजों से युवाओं को अवसर देता आ रहा है। वे कहते हैं कि जो अवसर पहले दूर लगते थे, वे आज हमारे अपने राज्य में ही मिल रहे हैं। हाल ही में शादी के बाद मनीष कहते हैं कि बालको ने संयंत्र के वातावरण को लेकर मेरी सोच बदल दी है। यहां हरा-भरा परिसर, परिवार के लिए आवास और अच्छा कार्य-जीवन संतुलन मिलता है। आज जब जूनियर मुझसे सलाह लेते हैं, तो मैं गर्व से अपने काम और संगठन दोनों के बारे में बताता हूं। ऐसे समय में जब अवसर अक्सर दूरी की मांग करते हैं, बालको एक स्थायी और समावेशी विकल्प प्रस्तुत करती है, ऐसी प्रगति, जो अपनी जड़ों में पनपती है और समुदाय को भीतर से सशक्त बनाती है। बालको के 70 प्रतिशत से अधिक प्रत्यक्ष कर्मचारी और 80 प्रतिशत से ज्यादा अप्रत्यक्ष कर्मचारी छत्तीसगढ़ से ही हैं। कंपनी स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का मंच देती है।

शॉपफ्लोर से लेकर तकनीकी, सुपरवाइजरी और प्रबंधन स्तर तक, बालको योग्यता और क्षमता के अनुसार अवसर प्रदान करता है। इस तरह बालको न सिर्फ छत्तीसगढ़ के विकास में योगदान दे रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार कर रहा है। यही कारण है कि बालको आज भारत की एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद एल्यूमिनियम कंपनी के रूप में पहचानी जाती है।

शासकीय कर्मचारी संघ का कैलेंडर विमोचित

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा नूतन वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम जगदीश प्रसाद खरे प्रांतीय सचिव लिपिक संघ एवं संयोजक छग कर्मचारी अधिकारी फ़ेडरेशन के साथ ही पीपीएस राठौर जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें संघ के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कैलेंडर विमोचन अवसर पर कलेक्टर श्री दुदावत ने संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए नूतन वर्ष 2026 के लिए सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा संगठन को निरंतर सकारात्मक व रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश बघेल महासचिव छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन सहित संघ के पदाधिकारी गण तुमेश्वर राठौर, दिनेश सिंह, राजेंद्र मिश्रा,संवित साहू, परमानंद राजवाड़े, आनंद सोनवानी, सनत राठौर, एसके कंवर, दीनदयाल भारद्वाज, प्रकाश खाकसे, प्रीतेश जनार्दन, दीपेश यादव, रामनिवास साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

निगम के रविशंकरनगर जोन अंतर्गत वार्डों को मिली 3 करोड़ 20 लाख रू. के विकास कार्यों की सौगात

उद्योग मंत्री के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में किया गया विकास कार्यों का भूमिपूजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा के रविशंकरनगर जोन जोन के विभिन्न वार्डो को आज 03 करोड़ 20 लाख रूपये के नये विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में पृथक-पृथक स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य कर समयसीमा में इन कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 34 दादर रोड कलवर्ट से मानिकपुर मुक्तिधाम तक 01 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से कलवर्ट एवं नाला का निर्माण कराया जाना हैं। इसी प्रकार पं.रविशंकर शुक्ल जोनांतर्गत 06 शासकीय स्कूलों में 36 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण तथा 12 शासकीय स्कूलों में 60 लाख रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय का निर्माण भी किया जाना हैं। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 33 मानिकपुर डिपरापारा में 25 लाख रूपये की लागत से सड़का निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 26 अंतर्गत विनय सिंह घर से जैतखाभ के सामने तक एवं दादर मेन रोड से कुम्हार घर के पास कलवर्ट तक कृष्णानगर की आंतरिक गलियों का 15 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्य किया जाना हैं। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आज पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों में इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए उक्त महत्वपूर्ण विकास कार्यो की सौगात आमजन को प्रदान की गई।

समग्र विकास के साथ विद्यालयों की दशा में हो रहा ऐतिहासिक सुधार - इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में हो रहे प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शिक्षा के मंदिर विद्यालयों की दशा में ऐतिहासिक रूप से सुधार लाया जा रहा है, विद्यालयों में शौचालयों के अभाव या जीर्ण-शीर्ण शौचालय होने के कारण छात्र-छात्राओं, अध्यापक-अध्यापिकाओं को काफी असुविधा होती थी, किन्तु विगत 02 वर्षो के दौरान इस दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं, विद्यालयों में सर्वसुविधायुक्त व स्वच्छ साफ शौचालय की सुविधा, साइकिल स्टैण्ड, किचन शेड निर्माण, अतिरिक्त कमरों के निर्माण, जीर्ण-शीर्ण शालाओं का नवीनीकरण, नये भवनों का निर्माण, बाउण्ड्रीवाल निर्माण आदि के कार्य व्यापक स्तर पर किए जा रहे हैं। उन्होने आगे कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लगातार आशीर्वाद छत्तीसगढ़ राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु हमें प्राप्त हो रहा है, जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव के मार्गदर्शन व सहयोग से कोरबा में विकास हेतु राशि की कोई कमी नहीं हो रही है, इसी के परिणाम स्वरूप यहॉं की जनताजनार्दन की मांग व उनकी आवश्यकता के अनुरूप लगातार व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

नहीं टूटेगा जनताजनार्दन का भरोसा - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन को अपना विधायक चुना, मुझे अपना महापौर चुना, यह उनका हम पर भरोसा था, मैं यकीन दिलाती हूॅं कि कोरबा की जनताजनार्दन का यह भरोसा कभी नहीं टूटेगा, उनका विश्वास सदैव कायम रहेगा।

उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य जारी है, जो आगे भी जारी रहेंगे। कोरबा के विकास के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का भरपूर सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य धनकुमारी गर्ग, पार्षद नारायण कुर्रे, सुनीता चैहान, प्रताप सिंह कंवर, कोसाबाड़ी मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, कोरबा मण्डल योगेश मिश्रा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, सुशील गर्ग, सरजू अजय, दिनेश वैष्णव, राजेश लहरे, श्रीधर द्विवेदी, बी.एम.ओ.संजय अग्रवाल, जे.पी.कालोनी हाईस्कूल की प्राचार्य व्ही.एल.दास, प्रधानपाठक लता महंत, कल्पना लहरे, जोन कमिश्नर प्रकाश चन्द्रा, सहायक अभियंता आकाश अग्रवाल, किरण साहू, रूचि साहू, रमाशंकर साहू, राजेन्द्र राजपूत, बालगोविंद श्रीवास, मनोज सिंह राजपूत, दीपक यादव, आत्माराम गंर्धव, सुकेश दलाल, मिलाप बरेठ, गोपलाल राठिया, सरस्वती पटेल, हेमंत चन्द्रा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

पीएम आवास की राशि त्रुटिवश अन्य खाते में जमा, कलेक्टर ने जांच हेतु किया निर्देशित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला कार्यालय में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिले के दूरस्थ वनांचल एवं शहरी क्षेत्रों से आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए।

आवेदकों ने एक एक कर अपने आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया एवं अपनी समस्याएं बताई। जनदर्शन में नकिया पंचायत के पहाड़ी कोरवा ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण में लापरवाही की शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए खाद्य अधिकारी को तत्काल जांच कराने तथा दो दिवस के भीतर सभी हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उचित मूल्य की राशन दुकानों से समय पर हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित हो, खाद्य निरीक्षक फील्ड पर इसका मॉनिटरिंग करें, साथ ही इस प्रकार की शिकायत पर त्वरित कार्रवाही करते हुए उपभोक्ताओं को समय पर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाएं।

करतला तहसील के ग्राम भंवरखोल की निवासी भारती ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उसके पिता श्याम लाल कंवर के नाम से स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि आवेदन के दौरान खाता क्रमांक की गलत प्रविष्टि के कारण किसी अन्य व्यक्ति के खाते में अंतरित हो गई है। आवेदिका द्वारा राशि वापस दिलाने का आग्रह किया गया। कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रकरण के सम्बंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए हितग्राही को राशि वापस दिलाने के निर्देश दिए।

कुकरीचोली के ग्रामीण द्वारा गांव के क्षतिग्रस्त विद्युत पोल को बदलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन में बताया गया कि विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण तार अत्यधिक झुक गया है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर शीघ्र क्षतिग्रस्त विद्युत पोल को बदलने तथा सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जनदर्शन में आज सीमांकन, बटांकन, सड़क दुर्घटना में मृत्यु पर आर्थिक सहायता, आरबीसी 6-4 के तहत राहत राशि, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटवाने, मुआवजा भुगतान, अधिक बिजली बिल की जांच सहित विभिन्न विषयों से संबंधित 112 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश नाग, अपर कलेक्टर कटघोरा श्री ओंकार यादव, शिक्षा, कृषि, खाद्य, समाज कल्याण, श्रम, महिला बाल विकास, आदिवासी विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपका मन आध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। नया काम शुरु करने का विचार आपके मन में आयेगा। किसी दोस्त से अचानक मुलाकात आपके भविष्य लिए फायदेमंद साबित होगी, किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी।

वृष राशि - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। छोटे स्तर पर शुरु किया गया व्यापार आपके लिये लाभकारी रहेगा। आपने जो लक्ष्य निर्धारित कर रखें हैं, आज उनके काफी करीब पहुंच जायेंगे। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपनी समझदारी से आप उन्हें कामयाब नहीं होने देंगे।

मिथुन राशि - आज का दिन खुशियां लेकर आया है। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, आज उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो लोग उच्च शिक्षा पाने की इच्छा रखते हैं, उन्हें आज किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिलेगा। आज आप मानसिक रूप से स्वस्थ बने रहेंगे। आपकी काबिलीयत से आज आपको नयी पहचान मिलेगी, आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि - आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आपको अपने वाणी पर संयम रखने की जरुरत हैं। इस राशि के जो लोग डॉक्टर हैं आज वो नयी क्लीनिक की ओपनिंग करने का मन बनायेंगे, जिसमें परिवार वालों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। आज समाज सेवा के लिए की गयी कोशिशें आपकी अलग पहचान बनायें।

सिंह राशि - आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी सरकारी अधिकारी का सहयोग मिलने से प्रसाशनिक कार्य पूरा होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी। आज आपके दिमाग में नये-नये विचार आयेंगे। लेखन का कार्य कर रहे लोगों की रचनाओं की लोग तारीफ करेंगे। आज व्यर्थ की बातों में उलझने से बचें।

कन्या राशि - आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला हैं। साइंस और रिसर्च की फिल्ड से जुड़े लोगो को आज नया प्रोजेक्ट मिलेगा। पूराने कामों का निपटारा करने के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। लोग आपकी मदद के लिये भी तैयार रहेंगे। बड़ों का दिया हुआ सुझाव आज आपके काम आयेगा। बिजनेस सम्बन्धी मीटिंग में आज आप सही ढ़ग से अपनी बात रखेंगे।

तुला राशि - आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज समाज में आपकी एक अलग ही छवि निखर कर सामने आयेगी। ऑफिस में जो काम आपने किया है, उसको संभाल कर रखें। कभी भी उसकी जरूरत पड़ सकती है। बॉस आपको किसी जरूरी काम से दूसरे शहर की यात्रा पर भेज सकते हैं। आज आप कुछ ऐसे कार्यो को करने के लिये तैयार रहेंगे, जिन्हें करके आप प्रसन्न होंगे। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी।

वृश्चिक राशि - आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। महिलाएं आज रसोई घर में काम करते हुए थोड़ी सावधानी जरूर बरतें। आज आपमें सफलता और उच्चपद पाने की इच्छा जागृत होगी, जिससे आप और अधिक मेहनत करेंगे। इस राशि के जो लोग एक्टिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें बड़ा ऑफर मिलेगा। आज हर प्रकार की बिजनेस डील में सफलता मिलेगी।

शुभ रंग - गुलाबी

शुभ अंक - 6

धनु राशि - जो लोग मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें काफी धनलाभ होने वाला है

भविष्य की योजनायें बनाने के लिये आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें काफी धनलाभ होने वाला है । आज जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान निकलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपके सामने कुछ ऐसी परिस्थितियां सामने आयेंगी, जिससे आप थोड़ा उलझन में पड़ सकते है।

मकर राशि - आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज किसी कार्य में पड़ोसियों का सहयोग मिलेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके सीनियर नेता आपके कामों की तारीफ कर सकते है। आज सफलता में आ रहीं सारी दिक्कते दूर होंगी।

कुंभ राशि - आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज कोर्ट कचहरी में चल रहे मुकदमों का हल आपके पक्ष में आयेगा। राजीनीति से जुड़े लोगों को आज किसी सामाजिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। आज आपको अचानक धन लाभ होने वाला है। अगर आप आज नयी जमीन खरीदना चाह रहे हैं तो पहले उसके बारे में ठीक से जानकारी कर लें।

मीन राशि - आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे। पिछले किये गये प्रयासों का फल आज मिलने वाला है। किसी भी समस्या पर घबराने की बजाय अपनों की सलाह लें। आज आपको पूरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ने की जरूरत हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में और मधुरता बढ़ेगी।

अय्यप्पा मंदिर में महागणपति हवन के साथ पूरा हुआ प्रतिष्ठा महोत्सव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल कालोनी सुभाष ब्लाक स्थित अय्यप्पा मंदिर का तीन दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य वरण और देवी पूजा व महागणपति हवन के साथ संपन्न हो गया। मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी अनुष्ठान संपन्न कराने का दायित्व ब्रम्हश्री उन्नीकृष्णन नम्बूदरी के निर्देशन में आचार्यो ने निभाया।

मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रतिष्ठा महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत अंतिम दिवस अष्टाद्रव्य महागणपति हवन सहित अन्य विधान पूरे किए गए। इससे पहले सुबह 6 बजे निर्माल्य दर्शन, और प्रभात फेरी निकाली गई। सोमवार को विशेष रूप से प्रतिष्ठा महोत्सव के परिपेक्ष में मंदिर परिसर में मृत्युंजय हवन और कलशाभिषेक किया गया। इसके बाद भागवत परायण किया गया। पूरे अनुष्ठान के अंतर्गत मांगलिक वेद मंत्र का पाठ किया गया और इसके माध्यम से वातावरण को शुद्धिकृत भी किया गया। मंदिर प्रबंधन समिति ने बताया कि भगवान शनिश्वर अय्यप्पा से सर्व कल्याण की कामना इस अवसर पर की गई। दोपहर 1 बजे से मंदिर परिसर में अन्नदानम भंडारा किया गया। मलयाली सहित विभिन्न समुदाय के लोगों की उपस्थिति इसमें तय हुई। शाम को संध्या आरती के साथ शोभायात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी मंदिर के सभागार में किए गए।

Public Work Department
Office of The Superintending Engineer, PWD, Bridge Circle Raigarh (C.G.)

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
(2nd Call)
(TENDER PUBLICATION)
PUBLIC WORK DEPARTMENT
GOVT. OF CHHATTISGARH
Memo No. 106/NIT No. 22/Setu/2025-26
Raigarh, Dated 16.01.2026

The Superintending Engineer, PWD, Bridge Concstruction Circle Raigarh (C.G.) Pin no. 496001, invites on behalf of Governor of Chhattisgarh, sealed offers in two bid system from the eligible Consultants/bidders for following work.

Name of Work :- For Selection of Consultancy for preparation of Feasibility report for Construction of a flyover for bypassing heavy vehical on Kotra road Dhimrapur chowk-Urdana chowk-Jindal Road. (Length - 5.300 KM).

Earnest Money Rs. 1,00,000.00/- (One Lakh) Cost of Tender Rs. 5000/- (Five Thousand) Time Allowed 3 (Three) Months Last date of receipt of application for issues of tender document upto 17:00 PM-on 30/01/2026 Other details can be seen at official Website of PWD CG https://eproc.cgstate.gov.in/, https://cgstate.gov.in https://pwd.cg.nic.in on Notice Board & in the O/o The Superintending Engineer, PWD, Bridge Concstruction Circle Raigarh Pin no. 496001.

G-252606120/1

Superintending Engineer
P.W.D. Bridge Circle Raigarh (C.G.)

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे और बेटों आदित्य ठाकरे और तेजस ठाकरे के साथ, मुंबई, महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के दौरान एक पोलिंग स्टेशन पर वोट डालने के बाद।

राजस्थान के जयपुर में महल रोड पर 78वें सेना दिवस परेड समारोह के दौरान भारतीय सेना की एक टुकड़ी मार्च करती हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में आयोजित राष्ट्रमंडल के स्पीकर्स एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में शिरकत की।

कैप्टन पुखराज कौशिक 78वें सेना दिवस परेड के दौरान, जयपुर में महल रोड पर ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम के साथ।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 15 जनवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित मौसम भवन में भारत मौसम विज्ञान विभाग के 151वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में शिरकत की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने 15 जनवरी 2026 को दिल्ली कैंट में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) का अवलोकन किया।

ईरान में नहीं होगी इरफान सुल्तानी को फांसी सैन्य कार्रवाई के विकल्प पर ट्रंप बोले-क्या करूंगा वो नहीं बताऊंगा

वाशिंगटन 20 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में खामेनेई सरकार का तख्तापलट को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन को दो सप्ताह से ज्यादा हो गए हैं। ईरान सरकार ने प्रदर्शनों को कुचलने के लिए सरकार सख्ती बरतने के मूड में दिख रही है। सरकार ने 8 जनवरी को गिरफ्तार किए गए 26 साल के प्रदर्शनकारी को फांसी पर लटकाने का फरमान सुनाया था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उन्हें भरोसेमंद जानकारी मिली है कि ईरान में हत्याएं रोक दी गई हैं और जिन फांसियों को लेकर आशंका जताई जा रही थी, वे अब नहीं होंगी ।दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर प्रदर्शनकारियों पर ज्यादती नहीं रुकी तो वह आगे बढ़कर उनकी मदद करेगा। वेनेजुएला में हमले के बाद आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान पर स्ट्राइक कर सकता है और इस बात से ट्रंप ने इनकार भी नहीं किया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह सूचना उन्हें हाल ही में मिली है कि ईरान में हत्या रुक रही है और फांसी देने की कोई योजना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, यह खबर उन संभावित फांसियों से जुड़ी है जिनके बारे में कई लोगों का मानना था कि वे जल्द होने वाली हैं ।ट्रंप ने कहा, आज फांसी का दिन माना जा रहा था और अहम बात यह है कि हमें बताया गया है कि फांसी नहीं दी जाएगी। यह जानकारी उन्हें दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण स्त्रोतों से मिली, हालांकि उन्होंने इन स्त्रोतों की पहचान नहीं बताई और न ही यह स्पष्ट किया कि यह सूचना किस माध्यम से दी गई। जब उनसे पूछा गया कि ईरानी अधिकारी इस पर अमल करेंगे या नहीं, तो ट्रंप ने सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है। अगर ऐसा होता है तो हम सब बहुत परेशान होंगे और फिर आप (ईरान) भी बहुत परेशान होंगे ।पत्रकारों ने ट्रंप से यह भी पूछा कि क्या इस बयान का मतलब यह है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प अब खत्म हो गया है। इस पर ट्रंप ने किसी भी विकल्प को खारिज करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मैं आपको यह नहीं बताने वाला कि मैं क्या करने को तैयार हूं। ईरान के भीतर हिंसा और झड़पों की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच गोलीबारी हुई। इन सबके बावजूद सबसे अहम बात फांसियों का रुकना है। पिछले कुछ दिनों से बहुत लोग इस पर बात कर रहे थे। और हमें अभी बताया गया है कि फांसी रोक दी गई है। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि यह जानकारी सही साबित होगी ।ट्रंप ने इस घटनाक्रम पर अमेरिका की ओर से किसी नई नीति या कदम की घोषणा नहीं की और कहा कि प्रशासन स्थिति पर करीबी नजर रखेगा। यह बयान व्हाइट हाउस में एक हस्ताक्षर समारोह के बाद हुए सवाल-जवाब सत्र के दौरान आया, जहां ट्रंप ने वेनेजुएला और ग्रीनलैंड सहित कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी सवालों के जवाब दिए। ईरान पर अपनी बात समाप्त करते हुए उन्होंने कहा, हम नजर रखेंगे। हम देखेंगे कि क्या होता है।

ईरान में बिगड़े हालात : भारत सरकार ने नागरिकों को दी तुरंत देश छोड़ने की सलाह; तेहरान में एक साथ दफनाए जाएंगे 300 शव

तेहरान 20 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों और बिगड़ते हालात को देखते हुए भारत सरकार ने बुधवार को अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक को जल्द से जल्द वहां से निकल जाने की सलाह दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नागरिकों को तत्काल प्रभाव से वतन वापसी की योजना बनानी चाहिए ।यह नई एडवाइजरी 5 जनवरी को जारी की गई पिछली सलाह की ही अगली कड़ी है, जिसे ईरान की बदलती और संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपडेट किया गया है। सरकार ने वहां मौजूद भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने की हिदायत दी है। नागरिकों से विशेष रूप से कहा गया है कि वे किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। इसके अलावा, सभी भारतीयों को तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के लगातार संपर्क में रहने और ताजा हालात जानने के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है ।इस बीच, ईरान में जमीनी हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। अंग्रेजी अखबार 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार शाम को करीब 300 शवों को दफनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इन शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के जवान भी शामिल हैं। यह कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में आयोजित किए जाने की संभावना है ।हिंसा में मरने वालों के आंकड़ों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। अमेरिकी संस्था 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज से जुड़े लोग शामिल हैं।

ट्रंप पाकिस्तान समेत 75 देशों के लिए वीजा सर्विस रोकेंगे, लिस्ट में भारत के 6 पड़ोसी

वॉशिंगटन डीसी 20 जनवरी (एजेंसी) ।अमेरिका ने 21 जनवरी से 75 देशों के नागरिकों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने का फैसला किया है। इस सूची में पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित भारत के छह पड़ोसी देश भी शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक आंतरिक मेमो के आधार पर लिया गया है। इस कदम का उद्देश्य अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिकों की संख्या को सीमित करना बताया गया है ।अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि वह अब अपनी कानूनी शक्तियों का इस्तेमाल करेगा, जिसके तहत ऐसे लोगों को वीजा देने से इनकार किया जा सकता है, जिनके बारे में आशंका हो कि वे अमेरिका पहुंचने के बाद सरकारी सहायता या वेलफेयर योजनाओं पर निर्भर हो सकते हैं ।इस फैसले के तहत अमेरिकी दूतावासों और कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जांच और सत्यापन प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा पूरी होने तक वीजा आवेदनों को खारिज किया जाए। यह रोक कितने समय तक लागू रहेगी, इस बारे में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है ।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन इमिग्रेशन सिस्टम के दुरुपयोग को खत्म करना चाहता है और उन लोगों को रोकना चाहता है जो अमेरिकी करदाताओं के पैसे का गलत फायदा उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इन 75 देशों के लिए इमिग्रेंट वीजा की प्रक्रिया तब तक स्थगित रहेगी, जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि सार्वजनिक लाभ लेने वाले लोगों की एंट्री को कैसे रोका जाए ।हालांकि, इस फैसले का असर टूरिस्ट, बिजनेस या अन्य अस्थायी वीजा पर नहीं पड़ेगा। इसमें इस साल आयोजित होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को देखने अमेरिका आने वाले दर्शक भी शामिल हैं। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन ने सभी वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच करने की बात कही है ।75 देशों की सूची जारीअमेरिकी प्रशासन ने इस फैसले के तहत जिन देशों को शामिल किया है, उनकी विस्तृत सूची भी जारी की गई है। इसमें एशिया, अफ्रीका, यूरोप, कैरिबियन, उत्तर, दक्षिण और मध्य अमेरिका के देश शामिल हैं। इनमें अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, कंबोडिया, ईरान, इराक, जॉर्डन, कजाकिस्तान, कुवैत, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, सीरिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, यमन, अल्जीरिया, कैमरून, केप वर्डे, कोटे डी आइवर, कांगो, मिस्र, इरिट्रिया, इथियोपिया, गैम्बिया, घाना, गिनी, हैती, लाइबेरिया, लीबिया, मोरक्को, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य, रवांडा, सेनेगल, सिएरा लियोन, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सूडान, तंजानिया, टोगो, ट्यूनीशिया, युगांडा, रूस, अल्बानिया, बेलारूस, बोस्निया, जॉर्जिया, कोसोवो, नॉर्थ मैसेडोनिया, मोल्दोवा मोंटेनेग्रो है।

इस बार निशाना नहीं चूकेगा, ट्रंप पर हमले की तस्वीर शेयर कर ईरान ने दी धमकी

तेहरान 20 जनवरी (एजेंसी) ।ईरान के ताजा हालात चिंताजनक हैं। अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच अब ईरान ने भी अपनी भौहें सिकोड़ ली हैं। ईरान ने एक तस्वीर के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दे दी है ।इस बीच तनावपूर्ण हालात में ब्रिटेन ने तेहरान में अपने दूतावास को कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। इसके साथ ही ब्रिटेन ने अपने सभी डिप्लोमैटिक स्टाफ को वापस बुला लिया है। ब्रिटेन के फॉरेन ऑफिस ने कहा, हमने तेहरान में ब्रिटिश दूतावास को कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। यह अब रिमोटली ऑपरेट होगा। ईरान ने 2024 में पेन्सिलवेनिया में ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की एक तस्वीर दिखाई, जिसमें उन्हें एक कैंपेन रैली में मारने की कोशिश करते हुए दिखाया गया था। साथ ही चेतावनी दी गई, इस बार निशाना चूकेगा नहीं ।फारसी से ट्रांसलेट किए गए इस मैसेज की तस्वीरें कई मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए तेजी से ऑनलाइन फैलीं और ईरान के सरकारी टेलीविजन पर भी दिखाई गईं। यह ब्रॉडकास्ट ट्रंप की बार-बार दी गई चेतावनियों के बाद आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांति से विरोध करने वालों को मारता है तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। ईरानी मीडिया ने जिस तस्वीर का इस्तेमाल किया, वह जुलाई 2024 में पेन्सिलवेनिया के बटलर में एक कैंपेन रैली के दौरान ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की थी। उस समय थॉमस क्रुक्स नाम के एक बंदूकधारी ने स्टेज पर गोलियां चलाई थीं, जो ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई थी। इस घटना ने अमेरिका को चौंका दिया था ।हाल के दिनों में ईरान और यूरोपीय देशों के बीच डिप्लोमैटिक रिश्ते और खराब हो गए हैं। अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद ईरान ने फिलहाल अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। बढ़ते तनाव के बावजूद ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक इंटरव्यू में कहा है कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है और पिछले दो दशकों से उसने यही रुख बनाए रखा है।

पश्चिम एशिया में तनाव: हालात पर भारत की पैनी नजर, ईरान-इस्त्राइल जैसे देशों में लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी

तेल अवीव 20 जनवरी (एजेंसी) ।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए ईरान के बाद अब भारत ने इस्त्राइल में रहने वाले नागरिकों को भी सतर्क रहने की चेतावनी दी है। इसके लिए जारी एडवाइजरी में नागरिकों को सुरक्षा निर्देशों का पालन, गैर-जरूरी यात्रा से बचने और इमरजेंसी में एंबेसी की 24×7 हेल्पलाइन से संपर्क करने को कहा गया है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और जोखिमों को देखते हुए भारत ने ईरान के बाद अब इस्त्राइल में रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। इस्त्राइल में बढ़ते तनाव और ईरान में प्रदर्शन के बीच भारत ने नागरिकों से सतर्क रहने, सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और गैर-जरूरी यात्रा से बचने की चेतावनी दी है। सरकार ने इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई इस एडवाइजरी में कहा गया है कि इस्त्राइल में मौजूद भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इस्त्राइली अधिकारियों तथा होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी किए गए सुरक्षा दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की जरूरत है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एडवाइजरी में इमरजेंसी की स्थिति में भारत के एंबेसी की 24×7 हेल्पलाइन से संपर्क करने का नंबर भी दिया गया है। यह चेतावनी तब जारी की गई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। इस्त्राइल और ईरान के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं ।ईरान में प्रदर्शन और अमेरिका का रुखबता दें कि ईरान में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं और अमेरिका ने देश में सैन्य कार्रवाई के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है। वहीं ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उनके क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डे वैध निशाने होंगे। इस तनाव के बीच तेल अवीव और इस्त्राइल के दक्षिणी व मध्य इलाकों

में कई जगह सार्वजनिक शरण स्थलों को खोलने के आदेश दिए गए हैं ।ईरान से नागरिकों को निकालने की तैयारी में भारत

एक तरफ जहां इस्त्राइल को लेकर भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। वहीं दूसरी ओर भारत ईरान में अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की तैयारी भी कर रहा है। बुधवार को भारत के तेहरान स्थित एंबेसी ने भी एक नई एडवाइजरी जारी की। इसमें छात्रों,तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों सहित इरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को अपनी सुरक्षा के लिए उपलब्ध परिवहन साधनों जैसे कमर्शियल फ्लाइट का इस्तेमाल कर देश छोड़ने की चेतावनी दी गई ।भारतीय नागरिकों को दी गई ये चेतावनी

एंबेसी ने कहा कि भारतीय नागरिकों को प्रदर्शन और विरोध स्थलों से दूर रहना चाहिए और स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखनी चाहिए। साथ ही सभी नागरिकों से कहा गया है कि वे एंबेसी के संपर्क में रहें और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें। वर्तमान अनुमान के अनुसार, इरान में करीब 10,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं।

अमेरिका ने युद्धपोत ईरान की तरफ रवाना किया, कहा- सभी विकल्पों पर कर रहे विचार

तेहरान/वॉशिंगटन,20 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों की मौत के चलते ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बना हुआ है। दोनों तरफ से एक दूसरे को धमकी दी जा रही है। गुरुवार को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में मौजूद अपने युद्धपोत को ईरान की तरफ मोड़ दिया है। वहीं ईरान ने भी अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि ईरान पर अमेरिका द्वारा हमला किया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि ईरान में कल होने वाली 800 फांसी की सजाओं के अमल पर रोक लग गई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ईरान के मुद्दे पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम ने ईरानी शासन को यह संदेश दिया है कि अगर हत्याएं जारी रहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को आज पता चला है कि कल होने वाली 800 फांसी की सजाएं रोक दी गई हैं। गुरुवार को अमेरिका ने चेतावनी देते हुए कहा कि वे सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वहीं भारत ने भी ईरान से अपने नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ईरान में फंसे अवध के 500 लोग: न जा रहा फोन और न आ रहा मैसेज, बिगड़ते हालात के बीच परिजनों की बढ़ रहीं धड़कनें

लखनऊ 20 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में बदलते हालात की खबरों के बीच कई घरों में चिंता और बेचैनी का माहौल है। लोगों की जान अटकी हुई है। परिजन परेशान हैं और अपनों की सलामती के लिए दुआ मांग रहे हैं।

शहर के निवासी अमीर अब्बास जैदी के बेटे अलमदार अब्बास जैदी पिछले 10 वर्ष से ईरान में एक टीवी चैनल में एंकर के रूप में काम कर रहे हैं। अमीर अब्बास के मुताबिक, पांच दिन पहले वीडियो कॉल पर आखिरी बार बेटे से बात हुई थी। तब उसने हालात को लगभग सामान्य बताया था। वीडियो कॉल पर उसने खुले बाजार व चलते ट्रैफिक के दृश्य भी दिखाए थे।

- अलमदार ने ये भी बताया था कि कुछ स्थानों पर प्रदर्शन चल रहा है। उस दिन के बाद बेटे से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। अमीर अब्बास, उनके भाई शाहकार जैदी बेटे की सलामती की दुआ कर रहे हैं ।शहर की नूरिया अंसारी बताती हैं कि उनके पति की बुआ ईरान में रहती हैं। पिछले ही महीने पति की खाला जियारत के लिए ईरान गई थीं। एक सप्ताह पहले उनसे बातचीत हुई थी। तब उन्होंने भी यही बताया था कि ईरान में हालात उतने भी खराब नहीं, जितनी सभी चिंता कर रहे हैं। उनका कहना था कि टीवी चैनलों में हालात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया जा रहा है ।- इस बातचीत के बाद अब चार दिन से खाला से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा। परिवार

में सब चिंता में हैं। सुबह-शाम कॉल की जा रही है, लेकिन संपर्क नहीं हो पा रहा।

केस 3: बहन-बहनोई से नहीं हो पा रही बात

मोहम्मद शब्बीर के अनुसार उनकी बहन और बहनोई ईरान में रहते हैं। चार दिन पहले बातचीत हुई थी, तब उन्होंने कहा था कि हालात थोड़े खराब हैं, लेकिन घबराने की बात नहीं है। फिर सूचना मिली की ईरान में फोन व इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इसके बाद से बहन-बहनाई से एक बार भीसंपर्क नहीं हो पाया है ।- अब भारत सरकार की एडवाइजरी सुनकर दिल बैठा जा रहा है। हम सभी अपनों के सलामती की दुआ कर रहे हैं।

यह तो चंद उदाहरण हैं। ईरान में बिगड़ते हालात की खबरों के बीच शहर के कई घरों में चिंता और बेचैनी का माहौल है। नौकरी, पढ़ाई और जियारत के लिए गए लोगों से संपर्क टूटने के कारण परिवार अनहोनी की आशंका से घिरे हुए हैं। मोबाइल की हर घंटी पर उम्मीद बंधती है, लेकिन स्क्रीन की खामोशी डर को और गहरा कर रही है। मौलाना कमरुल हसन के अनुसार, शहर और आसपास के जिलों से हर साल बड़ी संख्या में लोग ईरान और इराक जियारत के लिए जाते हैं। कई परिवारों के बच्चे वहां पढ़ाई भी कर रहे हैं। अनुमान है कि अवध क्षेत्र के करीब 500 लोग इस समय वहां फंसे हो सकते हैं। मजलिसों में लगातार सभी की सलामती के लिए दुआ की जा रही है। सभी की निगाहें अब भारत सरकार के रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी हैं। ईरान में हालात सामान्य होने की खबर ही फिलहाल शहर के इन परिवारों के लिए सबसे बड़ी राहत होगी। तब तक हर घर में इंतजार, बेचैनी और दुआ ही सहारा बनी हुई है ।जियारत के जत्थे भी अटकेईरान के हालात का असर जियारत (धार्मिक यात्राओं) पर भी पड़ा है। जीबी टूर एंड ट्रैवल्स के संचालक जफर असकरी ने बताया कि 19 जनवरी को 21 जायरीन का जत्था ईरान-इराक जियारत के लिए जाना था, लेकिन हालात ठीक न होने से ईरान का वीजा नहीं मिल पा रहा है। सभी जायरीन भुगतान कर चुके हैं और असमंजस में भी हैं ।मेहंदी टूर एंड ट्रैवल्स के मालिक

सम्पादकीय...

शांति थोपने की कोशिश

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा के मोह में अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के तमाम हिस्सों में जारी अशांति पर शांति थोपने की असफल कोशिश करते रहे हैं। कई देशों में टकराव के बाद शांति की स्थापना की असफल कोशिशों के पश्चात अब ट्रंप गाजा में शांति थोपने का उपक्रम कर रहे हैं। गाजा में शांति स्थापना के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित योजना विश्व की नियामक संस्थाओं के ढांचे से बाहर उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी कदम है। गाजा में शांति बनाये रखने के लिये मुनाफे व व्यापार जैसी प्रक्रिया के रूप में यह प्रयास अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को एक प्रत्यक्ष चुनौती है। जो लंबे समय से दुनिया के सबसे जटिल संघर्षों में से एक गाजा संकट को दूर करने के प्रयासों में लगी हुई हैं। सही मायनों में ट्रंप का यह शांति प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ को दरकिनार करने जैसा है, जिसको लेकर उन्होंने बार-बार नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हैं। उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका-संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी। आज गाजा संकट जिस मुश्किल दौर में पहुंच चुका है, उसके लिये जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्रियान्वयन, नागरिकों की सुरक्षा और समावेशी शासन का मार्ग प्रभावी समझौते से सुनिश्चित किया जाए। ऐसे हालात में यदि अमेरिका अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देता है या राजनीतिक अधिकारों के बजाय आर्थिक वादों को प्राथमिकता देता है, तो इस प्रयास में उस जोखिम की आशंका बनी रह सकती है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह सकता है। गाजा में शांति के लिये नये प्रयास कसौटी पर तभी खरे उतर सकते हैं जब इसमें गाजा की वास्तविक आवाज को सुना जाता हो। निश्चित रूप से हिंसा पर काबू पाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन नागरिकों के जीवन की गरिमा बनाये रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। शांति समझौते में यदि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी होती है तो यह शांति प्रस्ताव एक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि दशकों से हिंसा व विस्थापन का दंश झेल रहे गाजावासियों के कष्टों को और बढ़ाएगा ही। भारत को इस शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव अमेरिका की ओर से दिया गया है। भारत वहां सदा से ही द्विराष्ट्र के सिद्धांत का समर्थन करता आया है। निर्विवाद रूप से भारत के जहां इस्राइल से बेहतर संबंध हैं, वहीं विश्वसनीयता अरब देशों में भी बरकरार रही है। गाजा में शांति प्रयासों में लगे अरब देशों के साथ भारत के मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन यदि शांति प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है तो यह भारत की कूटनीतिक पहल के अनुकूल नहीं होगा। निस्संदेह, भारत हमेशा से ही प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये बहुपक्षीय मंचों पर ही भरोसा करता रहा है। ऐसे में गाजा में शांति के लिये पहल वैश्विक राजनीति में ट्रंप-प्रेरित उथल-पुथल को ही दर्शाती है। यदि गाजा में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास संयुक्त राष्ट्र को नजरअंदाज करते हैं, तो यह उस अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को कमजोर करने का जोखिम बढ़ाएगा, जिसकी जरूरत समझौते के पूरा होने के बाद शांति बनाये रखने के लिये है।

पांच साल बाद भी कांग्रेस नहीं समझ पाई

अजीत द्विवेदी

चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की 20 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की। राहुल गांधी अमेठी की पारंपरिक सीट से हार गए थे लेकिन केरल की वायनाड सीट से रिकॉर्ड वोटों से जीते। वे दो साल केरल की राजनीति में सक्रिय भी रहे लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह से चुनाव हार गई। कांग्रेस के नेता आजतक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे कि आखिर केरल में हारे कैसे। यह गुत्थी कांग्रेस के लिए चिंता की बात इसलिए है क्योंकि आजादी के बाद से केरल में पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज रहा है। लेकिन वह रिवाज 2021 में टूट गया। सीपीएम के नेतृत्व वाला लेफ्ट मोर्चा लगातार दूसरी बार चुनाव जीता। इससे पहले इसी तरह का रिवाज तमिलनाडु में टूटा था, जहां 2016 में अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार जीत गई थी। लेकिन 2021 में डीएमके ने शानदार वापसी की और बड़ी जीत हासिल की।

सो, कांग्रेस को उम्मीद है है कि 2021 का चुनाव अपवाद रहा और इस बार वह बड़ी जीत हासिल करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया और इस बार तो 20 में से 20 सीटें जीत गई। कांग्रेस को सिल्वर लाइनिंग स्थानीय निकाय चुनाव में दिखी है। दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने बड़ी जीत दर्ज की और छह नगरीय निकायों में से चार में कांग्रेस का एक में सीपीएम का मेयर बना। एक तिरूवनंतपुरम का मेयर पद भाजपा के खाते में गया। ध्यान रहे 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 2020 में कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ गई थी। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार लोकसभा और स्थानीय निकाय दोनों में कांग्रेस का गठबंधन जीता है। सो, 2021 जीतने का भरोसा है।

आमतौर पर केरल के बारे में हिंदी पट्टी में बहुत सी गलत धारणाएं हैं। जैसे यह धारणा है कि वहां मुस्लिम और ईसाई आबादी 45 फीसदी के करीब है तो ये दोनों ही तय करेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। लेकिन असल में केरल की राजनीति 55 फीसदी हिंदू तय करते हैं। केरल के ब्राह्मण राजनीति में अहम भूमिका अदा करते हैं तो पिछड़ी जातियां खास कर एझवा का भी अहम रोल होता है। ऐसे ही एझवा के एक बड़े और लोकप्रिय नेता वेल्लापल्ली नतेशन को साथ लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन घूम रहे हैं। नतेशन मुस्लिम विरोधी भाषणों के लिए चर्चित रहे हैं फिर भी विजयन उनको साथ रखे हुए हैं तो कारण यह है कि अगर मुस्लिम वोट कांग्रेस की ओर रूझान दिखाता है तो पिछड़ी जातियों के वोट लेफ्ट के साथ जुड़ें। कांग्रेस के पास एझवा समुदाय के दिग्गज नेता वायलार रवि थे लेकिन उनके नहीं रहने के बाद इस स्पेस में कांग्रेस की राजनीति कमजोर हुई है। पारंपरिक रूप से केरल के ब्राह्मण लेफ्ट पार्टियों का समर्थन करते रहे हैं।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू वोटों की गोलबंदी की राजनीति तेज की है। उसका वोट प्रतिशत हर चुनाव के साथ बढ़ रहा है। उसे पिछले विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 19 फीसदी से ज्यादा वोट मिले और उसका खाता भी खुला। त्रिशुर में सुरेश गोपी चुनाव जीते तो तिरूवनंतपुरम में राजीव चंद्रशेखर सिर्फ 16 हजार वोट से शशि थरूर के हाथों हारे। पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को दो लाख से ज्यादा वोट मिले, जिनमें से दो सीटों पर उसके वोट तीन लाख से ज्यादा थे। तभी भाजपा अब एक बड़ी ताकत के तौर पर इस बार चुनाव मैदान में उतर रही है। अगर उसे ओवरऑल 20 फीसदी वोट मिलता है और तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर, कासरगौड, अलापुझा आदि इलाकों में फोकस करके वह चुनाव लड़ती है तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है और यह कांग्रेस व लेफ्ट दोनों के लिए चिंता की बात होगी।

अगर कांग्रेस की बात करें तो गुटबाजी उसके लिए सबसे बड़ी समस्या है। केरल कांग्रेस में कई गुट हैं और कोई एक केंद्रीय नेता नहीं है। जब तक एके एंटनी सक्रिय थे तब तक केरल के फैसले वे करते थे। उनके साथ वायलार रवि और ओमन चांडी भी बड़े नेता थे। उनके बाद रमेश चेन्निथला धुरी बन सकते थे लेकिन राहुल गांधी के प्रयोगों के कारण केसी वेणुगोपाल बड़े नेता बन गए हैं। उनके अलावा वीडी सतीशन, के सुधाकरन, सनी जोसेफ सहित कई और नेता हो गए हैं। कम से कम आधा दर्जन नेताओं ने अपने गुट बनाए हैं। यह आम धारणा बनी है कि अगर कांग्रेस जीती तो वेणुगोपाल मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

इस तरह की बातों से कांग्रेस का प्रचार बिखरा हुआ दिख रहा है। शशि थरूर वैसे तो अब कांग्रेस लाइन पर ही चलने की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी राजनीति का ऊंट चुनाव तक किस करवट बैठेगा यह नहीं कहा जा सकता है। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड सीट से सांसद हैं और वे अगर सक्रिय होकर पार्टी को एकजुट करने की कोशिश करती हैं तभी कांग्रेस मजबूती से लड़ने के लिए आगे बढ़ेगी। दूसरी समस्या इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की ज्यादा सीटों की मांग है। पिछली बार वह 20 सीटों पर लड़ी थी लेकिन इस बार वह सीधे दोगुनी सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस केरल की 140 में से एक सौ से ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती है। उसे मुस्लिम लीग के अलावा केरल कांग्रेस के दो और आरएसएपी के दो खेमों को एडजस्ट करना होता है। तीसरी समस्या मुस्लिम वोट पर कांग्रेस की निर्भरता की है। कांग्रेस के लिए अच्छी बात यह है कि भाजपा से लड़ने वाली इकलौती मजबूत ताकत के तौर पर कांग्रेस और राहुल गांधी को देखा जा रहा है। इसलिए हो सकता है कि मुस्लिम और ईसाई दोनों भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस का साथ दें।

दूसरी ओर लेफ्ट के गठबंधन की चुनौती 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी की वजह से है। 10 साल से पिनरायी विजयन मुख्यमंत्री हैं और इस दौरान गोल्ड स्मलिंग से लेकर कई तरह के आरोप भी लगे हैं। उनकी बेटी के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई रही नहीं

उमेश चतुर्वेदी

पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा।

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। चाहे अमेरिकी खेमे में हो या फिर अमेरिका विरोधी खेमे में, हर देश आशंकित हो उठा है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। लेकिन दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होने आएंगे।

पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। सोवियत संघ के वजूद में रहते तक विश्व में खुलेतौर पर दो दुनिया थी और दो मुद्राओं का जोर भी था। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। लेकिन आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है।

वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। मोटे तौर पर चीन रोजाना वेनेजुएला से चार लाख बैरल से लेकर छह लाख साठ हजार बैरल तेल आयात कर रहा था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है।

चीन की स्थिति यह है कि वह एशिया में अपनी सैन्य ताकत का गाहे-बगाहे मुजाहिरा तो करता है, लेकिन वह सुदूर दक्षिणी अमेरिकी या अफ्रीकी महाद्वीप के देशों में ऐसा करने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। पारंपरिक भारतीय शब्दावली में कह सकते हैं कि चीन बनिया बन चुका है। यानी उसका पूरा ध्यान आर्थिक लाभ और हानि पर है। फिर ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है। इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे ट्रंप नाराज हों और अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे और आर्थिक मोर्चे पर अपनी ताकत बढ़ाए। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके।

वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से वह अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है। इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

हरिशंकर व्यास

भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित रही है। लेकिन आज स्थिति है कि दक्षिण एशिया में, जहां आबादी और भौगोलिक कारणों से भारत को दादा होना चाहिए था वहां भी कोई देश भारत की बात नहीं सुन रहा है। न किसी देश में भारत के लिए प्यार बचा है और न किसी के मन में भारत की चिंता या भय है। नेपाल इसकी मिसाल है। बड़ी मुश्किल से नेपाल ने भारत के दो सौ और पांच सौ रुपए की नोट रखने और स्वीकार करने की इजाजत दी है। उसने एक दशक से ज्यादा समय से भारत की एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की मुद्राओं को स्वीकार करना बंद कर दिया था। अब भी एक सीमा लगाई गई कि कोई भी भारतीय या नेपाली नागरिक दो सौ या पांच सौ रुपए के नोट 25 हजार रुपए से ज्यादा नहीं रख सकता है। नेपाल एक समय दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र माना जाता था।

भगवान शिव के द्वादश ज्योर्लिंगों में से एक पशुपतिनाथ का मंदिर काठमांडू में है। लोग तीर्थाटन करने से लेकर घूमने और व्यापार करने के लिए नेपाल जाते थे। बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से के लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल में हैं। दोनों तरफ शादियां होती रही हैं। लेकिन धीरे धीरे नेपाल कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से भारत से दूर हो गया है। नेपाल के लोगों में भारत के प्रति अविश्वास है। भारत के नेताओं के बयानों और सरकार के कई फैसलों ने लोगों को नाराज किया है। नेपाल में हिंदी फिल्मों का बहिष्कार होता है। भारत की मुद्रा का तिरस्कार होता है। लोग भारत विरोधी नारे लगाते हैं। सीमा के पास खेतों में काम करने वाले लोगों पर हमले होते हैं। नेपाल कालापानी और लिपूलेख जैसे भारत के इलाकों को अपना बताता है। चीन की कूटनीति नेपाल पर हावी है और भारत उससे दूर हो गया है। नेपाल के साथ भारत के संबंध कभी भी पहले जैसे होंगे इसमें अब संशय है। चीन की मदद से पाकिस्तान के लोगों की नेपाल में कद्र है लेकिन भारत के हिंदू बेगाने हो रहे हैं। बांग्लादेश का निर्माण भारत ने कराया था। भारत की तत्कालीन सरकार ने मुक्ति वाहिनी की लड़ाई को हर तरह से मदद दी थी। पाकिस्तान की सेना ने भारत के सामने सरेंडर किया था और भारत ने सबसे पहले एक स्वतंत्र देश के तौर पर बांग्लादेश को मान्यता दी थी। लेकिन आज बांग्लादेश में सबसे ज्यादा नफरत भारत से है और हिंदुओं से है। आए दिन हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। उनको देश छोड़ने या धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जा रहा है। नेपाल में चीन और पाकिस्तान का अड्डा बन रहा है। पाकिस्तान के ढाका स्थित उच्चायोग से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भारत विरोधी साजिशें कर रहे हैं। कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हो रही हैं और सीमा पर भारत की स्थिति कमजोर होती जा रही है।

विमानन में अधिक प्रतिस्पर्धा की जरूरत

डा. अश्विनी महाजन

बढ़ती जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय, बढ़ती मध्यम वर्ग की संख्या, बदलता जनसंख्या का स्वरूप और युवाओं की बढ़ती आबादी, स्टार्टअप और उद्यमिता का विकास, सरकारी कर्मचारियों की बेहतर होती आर्थिक स्थिति समेत कई ऐसे कारण रहे, जिसके कारण वायु यात्रा की मांग में वृद्धि होती रही। विमानन को गति देने में सरकारी नीतियां भी सहायक रही। निजी क्षेत्र को एयरपोर्ट बनाने हेतु प्रोत्साहन, नीतिगत सरलता आदि सभी ने भारत के विमानन क्षेत्र को नए पंख दे दिए। भारत में घरेलू यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती रही और पिछले वर्ष 2024 में यह संख्या 16.13 करोड़ यात्री रही। यदि अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को मिला लें तो कुल 37.6 करोड़ यात्रियों ने भारत में यात्रा की। अकेले मार्च 2025 में यह संख्या 145 लाख तक पहुंच चुकी थी। पिछले 11 वर्षों में एयरपोर्टों की संख्या 2014 में 74 से बढ़ती हुई अभी तक 160 से अधिक पहुंच चुकी है। वायु मार्ग के यात्रियों की संख्या की दृष्टि से भारत आज दुनिया में तीसरे स्थान पर है। निजीकरण के दौर में विमानन क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एयर इंडिया के एकाधिकार के समाप्त होने के बाद, देश में निजी विमानन कंपनियों का दौर आया।

इसके साथ ही विमान यात्रा, जो केवल धनी लोगों की पहुंच में थी, अब आम आदमी की पहुंच में आ गई। कैप्टन गोपीनाथ, जो एक मध्यमवर्गीय परिवार से आते थे, विमानन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के हस्ताक्षर के रूप में स्थापित हो गए और उनकी कंपनी एयर डैक्कन किफायती एयर लाईन के रूप में स्थापित हो गई। हालांकि विमान किरायों को सीमित करने के उद्देश्य से विमान यात्रा के दौरान भोजन सुविधा आदि में कटौती की गई थी, लेकिन साथ ही साथ जहां किराया 5000 से 10000 रुपए तक होता था, अब उसी यात्रा के लिए किराया 1000 रुपए से 2500 रुपए तक सीमित हो चुका था। धीरे-धीरे कर अधिक कंपनियां विमानन क्षेत्र में आने लगी थी। दुनिया में विमानन उद्योग की बारीकियों को भारत के नए उद्यमी समझ चुके थे। बढ़ती जीडीपी और बढ़ती क्रय क्षमता ने विविध क्षेत्रों में मांग को बढ़ाया ही, विमान यात्रा की मांग भी उससे अछूती नहीं थी। छोटे शहरों में भी आबादी बढ़ी और कई शहर जिसमें आबादी पहले कम थी, अब वहां भी आबादी पहले ज्यादा बढ़ चुकी थी। 2001 में भारत में 35 शहर ऐसे थे जहां आबादी 10 लाख या उससे अधिक थी, लेकिन आज ऐसे शहरों की संख्या बढक़र 75 से 80 हो चुकी है। विमानन विस्तार के साथ बढ़ता एकाधिकार : यात्रियों की संख्या की दृष्टि से विमानन क्षेत्र के विस्तार का संकेत तो मिलता ही है, जब वर्ष 2023 में भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा एक हजार से अधिक विमान खरीदने के ऑर्डर दिया गया तो दुनिया चकित रह गई। गौरतलब है कि प्रारंभिक दौर में इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के कारण हवाई किराये बहुत कम थे और एक बार तो ऐसा अवसर आया कि हवाई यात्रा और रेल यात्रा के बीच प्रतिस्पर्द्धा शुरू हो गई। ऐसे में यात्रियों को सुविधा भी मिली और किफायत भी हुई। एक तरफ भारत में विमानन क्षेत्र में विस्तार अभूतपूर्व है, तो दूसरी तरफ एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी क्षेत्र, अब एकाधिकार में बदलता जा रहा है। इस क्षेत्र में कुछ कंपनियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। कोविड महामारी के दौरान विमानन कंपनियों की आर्थिक सेहत बिगड़ी। इस समस्या से इंडिगो और एयर इंडिया और उसकी सहयोगी विमानन कंपनियां तो निपट पायी, लेकिन गो-फर्स्ट और स्पाइसजेट इन दो कंपनियों को भारी नुकसान हुआ। गो फर्स्ट एयरलाइंस, जो 8 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ भारत की चौथी सबसे बड़ी एयरलाइन थी, वित्तीय मुश्किलों के कारण दिवालिया हो गई। हालांकि, शुरुआत में इसकी मुश्किलें वित्तीय से ज्यादा तकनीकी थीं, जिसके लिए इंजन सप्लाई करने वाली कंपनी 'प्रैत एंड व्हाइटनी इंजीन्स' मुख्य रूप से जिम्मेदार रही। यह कंपनी एयरबस ए-320 नियो एयरक्राफ्ट के लिए इंजन सप्लाई करती है। गो फर्स्ट को कंपनी द्वारा सप्लाई किए गए इंजन की दिक्कतों की वजह से अपने कई जहाज ग्राउंड करने पड़े। इन सब की वजह से कंपनी को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। अपनी देनदारियों को चुकाने में नाकाम रहने की वजह से दिवालियापन की प्रक्रिया शुरू हो गई और 3 मई 2023 से गो फर्स्ट ने अपनी उड़ानें रोक दीं। इस दिवालिया कानून के चलते अत्यंत शीघ्रता से गो फर्स्ट कंपनी दिवालिया घोषित हो गई, लेकिन स्पाईसजेट भारी संकटों के बावजूद अपने व्यवसाय को बचाने में सफल रही। इस कंपनी ने अपनी उधारी को काफी हद तक समायोजित तो कर लिया लेकिन इस बीच इस कंपनी का भारतीय विमानन बाजार में हिस्सा 12.6 प्रतिशत से घटकर मात्र 2.5 प्रतिशत ही रह गया। यानी स्थिति यह है कि दो बड़ी विमानन कंपनियों, जिनका हिस्सा क्रमश: 6.9 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत था, उनमें से एक तो बाजार से बाहर हो गई, और दूसरे का हिस्सा घटकर बहुत कम रह गया। इसका असर यह हुआ कि टाटा समूह की विमानन कंपनियों का हिस्सा 27 प्रतिशत और इंडिगो का हिस्सा 65 प्रतिशत तक बढ़ गया। इन दोनों कंपनियों के अलावा स्पाइसजेट समेत शेष सभी विमानन कंपनियों का हिस्सा मात्र 8 प्रतिशत ही रह गया है।

विमानन क्षेत्र में बढ़ते एकाधिकार ने बड़ी कंपनियों को अपने किराये बढ़ाने का अवसर दे दिया। दिल्ली, मुंबई का विमान किराया जो पहले 3500 से 4000 रुपए तक पहुंच गया था, बढक़र 6000 से 7000 रुपए हो गया। इसी प्रकार अन्य सेक्टरों में भी किराया बेतहाशा बढने लगा। इस बात की शिकायत बार-बार होती रही है, लेकिन न तो सरकार और न ही नियामक संस्थान (नागरिक उड्डयन महा निदेशक) इसका कोई उपाय कर पाए। लेकिन हाल ही में विमानन कंपनियों में एकाधिकार का विषय तेजी से संज्ञान में आया, जब पायलटों के काम के घंटे निश्चित करने का एक पुराना नियम सख्ती से लागू किया गया और जिसके चलते इंडिगो एयर लाईंस को अपनी हजारों फ्लाईटें रद्द करनी पड़ी। इससे यात्रियों को असुविधा तो हुई ही, साथ ही सरकार और नियामक संस्थान पर भी सवालिया निशान लगने शुरू हुए कि इन कंपनियों को अपना बाजार हिस्सा इस स्तर तक बढ़ाने की अनुमति कैसे दे दी गई, कैसे कुछ मार्गों में एक ही कंपनी का एकाधिकार बढ़ गया और उनकी अपनी गलती से रद्द की गई उड़ानों के बाद उन्होंने कैसे महंगी दरों पर एयर टिकट बेचकर मुनाफा कमाने की कोशिश की? ऐसे में देश के सामने एक अवसर है कि विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ाया जाए, ताकि यात्रियों को उसका लाभ हो। कंपनियां अपना लाभ बढ़ाने के उद्देश्य से बिना वजह किराये न बढ़ायें और विमानन संबंधी नियमों का पालन करें ताकि यात्रियों की सुरक्षा हो सके। आज आवश्यकता इस बात ही है कि नए खिलाडिय़ों को विमानन क्षेत्र में लाईसेंस दिए जाएं और उन्हें इस क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाने की सुविधा मिले। सरकार भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। सबसे पहले, डीजीसीए के नियमों का समान और निष्पक्ष अनुपालन सुनिश्चित करना होगा ताकि किसी भी बड़े एयरलाइन को अप्रत्यक्ष संरक्षण न मिले। दूसरा, भीड़भाड़ वाले हवाई अड्डों पर स्लॉट आवंटन में 'इस्तेमाल करो या छोड़ दो' सिद्धांत को सख्ती से लागू किया जाए और नए प्रवेशकों के लिए पीक घंटों के स्लॉट सुरक्षित रखे जाएं। तीसरा, प्रवेश बाधाएं कम करने के लिए हवाई अड्डा शुल्क को युक्तिसंगत बनाया जाए और विमानन टरबाइन ईंधन को पूर्ण रूप से जीएसटी के अंतर्गत लाया जाए। चौथा, प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा शिकारी मूल्य निर्धारण और प्रभुत्व के दुरुपयोग की सक्रिय निगरानी की जाए। पांचवां विमान लीजिंग, विमान आगमन स्वीकृति और दिवालियापन प्रक्रिया को सरल व पूर्वानुमेय बनाया जाना चाहिए।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष इंतजाम, 900 अतिरिक्त पुलिस जवान तैनात

प्रयागराज, 20 जनवरी [एजेंसी]। दिव्य और भव्य महाकुंभ की तरह सुरक्षित माघ मेला के लिए नौ सौ अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। संगम सहित दूसरे स्नान घाट के आसपास वाले सभी बिजली के खंभों पर एक-एक जवान मुस्तैद हैं।थल के साथ जल में भी मोटर बोट और वाटर एंबुलेंस के जरिए सुरक्षा-व्यवस्था का घेरा मजबूत किया गया है। सीसीटीवी फुटेज, वाच टावर से भीड़, यातायात व्यवस्था और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षाकर्मियों को सख्त हिदायत है कि वह ड्यूटी में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतेंगे और किसी भी सूचना को तुरंत उच्चाधिकारियों को देंगे। कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए करीब 10 हजार सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसमें सिविल पुलिस, पीएसी, अर्धसैनिक बल, जल पुलिस, एटीएस कमांडो के अलावा दूसरे बल के जवान शामिल हैं। मगर मौनी अमावस्या का मुख्य स्नान पर्व आरंभ होने से पूर्व ही अपेक्षा से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी ।इसको देखते हुए मेला क्षेत्र में 900 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसमें डिप्टी एसपी, इंस्पेक्टर, दारोगा, हेड कांस्टेबल, सिपाही और पीएसी के जवान हैं। योजना के मुताबिक, संगम नोज, दूसरे स्नान घाट, बड़े हनुमान मंदिर, वीआईपी घाट सहित दूसरे स्थलों पर बेहतरीन जवानों को तैनात किया गया है ।घाट के आसपास वाले सभी खंभो पर भी जरूरी उपकरणों के साथ सुरक्षाकर्मियों को मुस्तैद किया गया है। जल पुलिस, बाढ़ राहत पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान भी मोटर बोट, वाटर एंबुलेंस के जरिए लगातार भ्रमण कर रहे हैं। प्रशिक्षित गोताखोरों को हर समय तत्पर रहने के लिए कहा गया है ।भीड़ और यातायात व्यवस्था का बेहतर प्रबंधन करने के लिए पुलिस अधिकारी लगातार दूसरे विभागों, जनपदों से समन्वय बना रहे हैं। किस मार्ग से लगभग कितने वाहन गुजर रहे हैं, इसका अनुमान लगाते हुए उसी के तहत पार्किंग की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जा रहा है ।मौनी अमावस्या पर सुरक्षा-व्यवस्था के लिए सिविल, पीएसी के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। स्नान घाट के आसपास सभी खंभों पर एक-एक सुरक्षाकर्मी की ड्यूटी लगाई है। पानी में भी जवान लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। मगर मौनी अमावस्या का मुख्य स्नान पर्व आरंभ होने से पूर्व ही अपेक्षा से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी ।इसको देखते हुए मेला क्षेत्र में 900 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसमें डिप्टी एसपी, इंस्पेक्टर, दारोगा, हेड कांस्टेबल, सिपाही और पीएसी के जवान हैं। योजना के मुताबिक, संगम नोज, दूसरे स्नान घाट, बड़े हनुमान मंदिर, वीआईपी घाट सहित दूसरे स्थलों पर बेहतरीन जवानों को तैनात किया गया है ।घाट के आसपास वाले सभी खंभो पर भी जरूरी उपकरणों के साथ सुरक्षाकर्मियों को मुस्तैद किया गया है। जल पुलिस, बाढ़ राहत पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान भी जरिए लगातार भ्रमण कर रहे हैं।

कपड़ों के गोदाम में भीषण आग, जान बचाने के लिए पहली मंजिल से कूदा शख्स

पश्चिमी दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसी)। द्वारका सेक्टर-7 स्थित रामपाल चौक के पास शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने कपड़ों के गोदाम में भीषण आग लग गई। दोपहर करीब 2.10 बजे गोदाम से अचानक ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठते देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान धमाकों की आवाज़ ने स्थानीय लोगों को दहशत में डाल दिया ।हादसे के वक्त गोदाम के ऊपर पहली मंजिल पर एक व्यक्ति फंसा हुआ था। नीचे से उठती आग की लपटों और दमघोंटू धुएं को देख उसने जान बचाने के लिए करीब 10 फीट की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी। गनीमत रही कि उसे पैर में मामूली चोटें ही आईं और उसकी जान बच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

दमकल कर्मियों ने सबसे पहले आग को आसपास की इमारतों में फैलने से रोक लिया। करीब 1 घंटे 35 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 3ः45 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि गोदाम में रखा लाखों का माल जलकर खाक हो गया ।प्रारंभिक जांच में दमकल विभाग और पुलिस आग लगने का मुख्य कारण शार्ट सर्किट मान रहे हैं। हालांकि, पुलिस और फारेंसिक टीम मामले की विस्तृत जांच कर रही है ताकि आग लगने के सटीक कारणों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का पता लगाया जा सके।

गौ तस्करों के साम्राज्य पर पुलिस का सर्जिकल स्ट्राइक, 1.4 करोड़ कैश और किलो भर सोना जब्त

रांची, 20 जनवरी [एजेंसी]। झारखंड और ओडिशा सीमा पर गो तस्करों पर कड़ी कार्रवाई तेज हुई है। शनिवार को ओडिशा पुलिस की ओर से कई जिलों में एक साथ एक्शन लिया गया। क्योंझर (ओडिशा) पुलिस ने शनिवार को भद्रक के पुराना बाजार थाना अंतर्गत मुल्लासाही में एक संदिग्ध पशु माफिया के घर पर धावा बोला गया। आरोपित की पहचान भद्रक के मुल्लासाही निवासी शेख ताजुद्दीन के रूप में हुई ।आरोपित के घर में मिले 500 रुपये के नोटों के बंडल में 60 लाख रुपये नकद बरामद हुए, जिसे काउंट करने के लिए पुलिस को नकदी गिनने वाली मशीनें मंगवानी पड़ीं। यह कार्रवाई गौ तस्करी रैकेट के मुख्य सरगना को पकड़ने और रैकेट पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई ।आरोपित के खिलाफ पहले दर्ज शिकायतों के आधार पर छापा मारा गया। पुलिस के अनुसार भद्रक बाईपास रोड पर आरोपी का मार्केट काम्प्लेक्स और रेजिडेंशियल कॉलेज भी है ।क्योंझर जिला के शंकरपुर निवासी टीपू सुल्तान के आवास से 30 लाख रुपये और सोने चांदी के आभूषण, मयूरभंज जिला के बीसोई निवासी मृत्युंजय महापात्र के घर से 30 लाख रुपये, झारपोखरिया निवासी सुजीत मोहंती के घर से 32 लाख रुपये व आभूषण बरामद किए गए हैं ।इस आपरेशन में एक डीएसपी, दो इंस्पेक्टर, छह सब-इंस्पेक्टर और फोर्स की दो प्लाटून शामिल थीं। अभियान में कुल नौ लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनके पास से 1.40 करोड़ नकद, लगभग एक किलो सोना, तीन किलो चांदी के आभूषण, 11 चारपहिया और 13 दोपहिया वाहन, भूमि, रियल इस्टेट दस्तावेज, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए गए ।पुलिस ने बताया कि यह रैकेट पिछले वर्ष क्योंझर में पुलिस पर हमला करने में भी शामिल था। गौ तस्करी मामलों में अब तक 20 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और रैकेट के माध्यम से सौ करोड़ से अधिक की अवैध उगाही की गई। एसपी कुशलकर ने कहा कि इस कार्रवाई से रैकेट के बड़े सरगना पर शिकंजा कसते हुए क्षेत्र में गौ सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत संदेश मिलेगा।

पुलिस का कहना है कि एनालिसिस जारी है। उम्मीद है कि आगामी दिनों में एक सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा होगा। सिकिदिरी थाना क्षेत्र अंतर्गत नवागढ़ में शनिवार देर रात ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए पशु तस्करी की बड़ी खेप पकड़ी। करीब आधा दर्जन तस्कर 35 बैलों को अवैध रूप से स्वर्णरेखा नदी पार कराने की कोशिश कर रहे थे, तभी अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सजग ग्रामीणों ने उन्हें खदेड़ दिया ।तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर सिकिदिरी थाना प्रभारी सचिन मिश्रा मौके पर पहुंचे। उनकी उपस्थिति में सभी बैलों को गेतलसूद, सोसो, हरातू और नवागढ़ के 17 जरूरतमंद किसानों के बीच बांटकर जिम्मानामा सौंप दिया गया ।जांच में सामने आया है कि इस क्षेत्र में इरबा और कुटे मंडियों के लिए तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है, जहां दलालों के जरिए पशुओं को स्वर्णरेखा नदी पार कराया जाता है। ग्रामीणों ने अब गांव-गांव बैठक कर किसानों को जागरूक करने का निर्णय लिया है।

वहीं पुलिस ने अज्ञात तस्करों पर प्राथमिकी दर्ज की है ।रंका (गढ़वा)-रंका थाना क्षेत्र में पुलिस ने पशु तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से सात गोवंशों को मुक्त कराया है। हाल ही में थाना प्रभारी रविकुमार केशरी को गुप्त सूचना मिली थी कि मानपुर गांव की ओर से गोवंशों को क्रूरतापूर्वक लादकर गढ़वा ले जाया जा रहा है। रंका-रमकंडा सड़क पर घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया गया ।पुलिस की मुस्तैदी देख पिकअप का चालक वाहन को चेकिंग पॉइंट से करीब सौ मीटर पहले ही छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन के भीतर सात गोवंश पाए गए, जिन्हें तस्करी के उद्देश्य से हाथ-पैर और सिर बांधकर बेहद अमानवीय तरीके से रखा गया था ।थाना प्रभारी ने बताया कि इस तस्करी का मुख्य सरगना मानपुर निवासी कुनैन अंसारी है, जिसके विरुद्ध पहले से ही रंका थाने में तस्करी के चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पूरे तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए छापेमारी तेज कर दी है। पुलिस का कहना है कि एनालिसिस जारी है। उम्मीद है कि आगामी दिनों में एक सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा होगा।

25 साल से अधिक समय से नहीं हुई पानी टंकी की सफाई

जामुड़िया, 20 जनवरी [एजेंसी]। ईसीएल के कुनुस्तोडिया एरिया अंतर्गत कुनुस्तोडिया कोलियरी के ईसीएल आवासों में पानी आपूर्ति करनेवाली पानी टंकी की साफ-सफाई वर्षों से नहीं हुई है। वर्ष 1983 में बनी इस पानी टंकी के माध्यम से पूरे कोलियरी क्षेत्र के लगभग 600 आवासों में पानी की आपूर्ति की जाती है। पानी टंकी के पास में रहनेवाले बैंककर्मी आफताब अंसारी ने बताया कि पिछले 25 सालो से कुनुस्तोडिया कोलियरी इलाके में रहते हैं, आज तक कभी पानी टंकी की सफाई होते नहीं देखा है। पानी टंकी निर्माण हुए चालीस साल से अधिक हो गया है। ईसीएल कर्मियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से टंकी की साफ-सफाई होनी चाहिए। पानी का इस्तेमाल लोगों द्वारा स्नान करने, कपड़ा धोने, बर्तन धोने सहित सभी प्रकार के घरेलू कार्यों में किया जाता है। ऐसे में साफ सुथरा पानी नहीं होना लोगों को गंभीर बीमारी की चपेट में डाल सकता है। ईसीएल कुनुस्तोडिया कोलियरी के पंप आपरेटर मोहम्मद ओकेश ने कहा कि कोलियरी क्षेत्र के लोगों को पानी आपूर्ति करनेवाली टंकी की सफाई हुए वर्षों हो गए है। पानी टंकी में ब्लीचिंग पाउडर, क्लोरीन, नमक आदि छिड़काव करने का नियम है, लेकिन इसका भी पालन नहीं किया जाता है। कोयला खदान का पानी टंकी में आता है तो टंकी से सीधा ईसीएल आवासों में पाइपलाइन के माध्यम से सप्लाई कर दिया जाता है। दो हजार लीटर क्षमता की पानी टंकी से ईसीएल कुनुस्तोडिया कोलियरी के सैकड़ों ईसीएल आवासों में पानी की सप्लाई किया जाता है।

बच्चों को देश के बंटवारे के बारे में बताना चाहिए

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में बोलीं सुधा मूति

जयपुर। राज्यसभा सांसद और इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति ने कहा कि जब मैं देश के बंटवारे को देखती हूं तो मुझे लगता है कि बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि ऐसा हुआ था, जो गलत था। ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। मुझे उन लोगों को लेकर दुख होता है, जिन्हें आज के पाकिस्तान और बांग्लादेश से अपना घर छोड़कर आना पड़ा ।एक ऐसा इंसान जिसे भारत की संस्कृति, भाषा और लोगों के बारे में कुछ भी पता नहीं हो, उसने सिर्फ पेंसिल से एक लाइन खींच दी और कहा कि आज से यह जमीन आपकी नहीं है। यह जमीन विदेशी है। अगर कोई मुझसे कहे कि कर्नाटक अब आपका नहीं है तो कितना दर्द होगा ।यह बातें उन्होंने शनिवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में अपनी किताब द मैजिक ऑफ द आस्ट इयरिंग्स पर एक सत्र में बोलते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि उनके दामाद ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋिषी सुनक का परिवार पाकिस्तान छोड़कर कैसे लंदन तक पहुंचा। सुनक के दादा-दादी पाकिस्तान के लाहौर असल में गुजरांवाला के निवासी थे। विभाजन के समय उन्हें अपना व्यापार, घर, पैसा छोड़कर बिना कुछ लिए अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने नए सिरे से जीवन खड़ा किया। इसके बाद वे वहां से लंदन चले गए। उस समय सुनक दस साल के थे। परिवार ने दो बार अपना घर खोया। इसके बावजूद उन्होंने जीरो से शुरूआत की। आज उनका परिवार जहां है, वह उसी संघर्ष एवं मेहनत का नतीजा है। कहा कि भारत में सिंध नाम की कोई जगह नहीं है।

जो लोग वहां रहते थे, वे एक दिन में सड़क पर आ गए, शरणार्थी बन गए। सिंधियों के पास कुछ नहीं रहा। मैं जो सोचती हूं और वास्तव में देखती हूं उसे किताबों में लिख देती हूं। मैने बच्चों के लिए 15 साल में 25 से ज्यादा किताबें लिखी है। मैंने अपनी दोहिती अनुष्का के लिए भी किताब लिखी है। करीब 20 साल पहले मैं पाकिस्तान गई थी। वहां रावलपिंडी में श्रीमती कोहली को देखा वह अपने पुराने घर को देखकर रो रही थी।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के कारण भीषण कार हादसा, एक की मौत, दो घायल

मुरादनगर, 20 जनवरी ।ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर मुरादनगर थाना क्षेत्र में गांव मिल्क चाकरपुर के पास शुक्रवार देर रात कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार युवक की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। हादसा कोहरे में दृष्यता कम होने के चलते हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। घायलों का उपचार चल रहा है। इन दिनों रात व सुबह के समय भयंकर कोहरा हो रहा है। एक्सप्रेस-वे पर कुछ दूरी पर भी वाहन नजर नहीं आ रहे हैं। यही वजह है कि हादसे बढ़ गए हैं। शुक्रवार देर रात रामपुर जिले के रसूलपुर के शोहराब कार से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे थे। कार में उनके दो साथी भी थे।

इस बीच जब वे मुरादनगर थाना क्षेत्र में मिल्क चाकरपुर गांव के पास पहुंचें तो कोहरे में डिवाइडर नहीं दिखा और कार टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर एक्सप्रेस-वे की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचीं, जहां चिकित्सकों ने शोहराब को मृत घोषित कर दिया ।दो साथियों की अभी पहचान नहीं हुई है। उनका अस्पताल में हालत गंभीर बनी है। वहीं, हादसे के बाद कार सड़क पर आने से जाम की स्थिति बनने लगी। पेट्रोलिंग टीम ने क्रेन की मदद से कार सड़क से हटाकर यातायात को सामान्य कराया ।इस बीच जब वे मुरादनगर थाना क्षेत्र में मिल्क चाकरपुर गांव के पास पहुंचें तो कोहरे में डिवाइडर नहीं दिखा और कार टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर एक्सप्रेस-वे की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचीं, जहां चिकित्सकों ने शोहराब को मृत घोषित कर दिया।

गोवा में 2 रूसी महिलाओं की हत्या, दोनों का गला रेता-एक का शव 8 यरू दूर मिला; आरोपी गिरफ्तार

पणजी ,20 जनवरी (एजेंसी)। गोवा में दो रूसी महिलाओं की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोनों के शव बरामद किए गए, जिसके बाद पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड के आरोप में 37 वर्षीय रूसी नागरिक एलेक्सी लियोनोव को गिरफ्तार किया है। मृत महिलाओं की पहचान एलेना कस्थानोवा (37) और एलिना वानीवा (37) के रूप में हुई है। गोवा पुलिस के अनुसार, दोनों हत्याएं एक ही तरीके से की गईं। दोनों महिलाओं का चाकू से गला रेता गया था और उनके हाथ पीछे की ओर रस्सी से बंधे हुए थे। पहला मामला गुरुवार रात सामने आया, जब अरंबोल इलाके में एक किराए के मकान से एलेना कस्थानोवा का शव मिला। मकान मालकिन की शिकायत के अनुसार, यह घटना रात करीब 11 बजे के बाद की है। कस्थानोवा आरोपी एलेक्सी लियोनोव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। पुलिस अभी इस हत्या की जांच कर ही रही थी कि घटनास्थल से करीब आठ किलोमीटर दूर मोरजिम इलाके में दूसरी रूसी महिला एलिना वानीवा की हत्या की सूचना मिली। जांच में सामने आया कि वानीवा आरोपी और कस्थानोवा, दोनों की करीबी मित्र थी ।पुलिस को दिए गए बयानों के मुताबिक, आरोपी और कस्थानोवा पिछले एक महीने से किराए के कमरे में रह रहे थे। 14 जनवरी को दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया गया है कि कस्थानोवा ने पास में रहने वाली एक रूसी महिला से बीच-बचाव करने को कहा था, लेकिन उसने इसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया ।पड़ोसी महिला ने पुलिस को बताया कि बाद में उसने कस्थानोवा की चीखें सुनीं। जब वह कमरे के पास पहुंची, तब तक आरोपी पहली मंजिल की बालकनी से कूदकर फरार हो चुका था। इसके बाद 15 जनवरी की शाम आरोपी ने करीब आठ किलोमीटर दूर मोरजिम गांव पहुंचकर एलिना वानीवा की भी हत्या कर दी।

फाइनेंस कंपनी से गोल्ड लोन का ऑफर, चार लाख, 56 हजार, ३47 रुपये बैंक खाते से गायब

भागलपुर, 20 जनवरी [एजेंसी]। एसबीएफसी फाइनेंस कंपनी से आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी का गोल्ड लोनी बता चार लाख, 56 हजार, 347 रुपये की धोखाधड़ी कर फरार हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। धोखाधड़ी की बाबत तिलकामांझी थाने में एसबीएफसी फानइेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक प्रशांत कुमार ने केस दर्ज करा दिया है। दर्ज केस में मुंगेर जिले के घोरघट निवासी लेख राज को नामजद आरोपित बनाया है। तिलकामांझी थाने की पुलिस टीम केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। नवगछिया के बिहपुर अमरपुर निवासी शाखा प्रबंधक प्रशांत चौधरी ने तिलकामांझी थानाध्यक्ष को जानकारी दी है कि दस जनवरी 2026 को एक ग्राहक जिसने अपना नाम लेख राज बताते हुए कंपनी की लैंड लाइन पर अपने मोबाइल से कॉल किया। उसने जानकारी दी कि वह आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी में उसका गोल्ड लोन चल रहा है। पर उस कंपनी का ब्याज दर काफी अधिक लग रहा है, इसलिए वह अपना गोल्ड आपकी कंपनी में ट्रांसफर कराना चाहता है। इसके बाद 15 जनवरी को लेख राज अपने साथ आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी तिलकामांझी का ग्राहक प्रतिनिधि, अपना आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर आई कार्ड एवं चेक बुक और सौ रुपये का स्टांप पेपर लेकर ब्रांच पहुंच गया ।कार्यालय में कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद लेख राज के एक्सिस बैंक के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से 4,56,347 रुपये शाखा की तरफ से ट्रांसफर कर दिया गया। जिसके एवज में लेख राज ने उनकी शाखा में गोल्ड लेकर आने तक की अवधि के लिए 4,56,347 रुपये का चेक शाखा को सौंपते हुए बोला कि वह आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी तिलकामांझी जाकर अपना गोल्ड लेकर आ रहा है ।यह बोल जो शाखा से गया फिर वापस नहीं आया। शाखा से उन्हें कॉल भी किया गया। लेकिन कोई जवाब नहीं आया। मामले में शाखा प्रबंधक ने केस दर्ज कर धोखाधड़ी का रुपये वापस कराने का अनुरोध किया है।

दिल्ली ब्लास्ट केस में श्वष्ठ का बड़ा एक्शन, अल-फलाह यूनिवर्सिटी की 140 करोड़ की संपत्तियां अटैच की, चेयरमैन पर चार्जशीट

नई दिल्ली ,20 जनवरी (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ी संपत्तियों को अटैच कर दिया। इसमें यूनिवर्सिटी की इमारतें, स्कूल और विभागों की बिल्डिंग्स, हॉस्टल और धौज क्षेत्र की 54 एकड़ जमीन शामिल है, जिनकी कीमत करीब 140 करोड़ रुपए है। श्वष्ठ ने इन्हें अपराध की आय की श्रेणी में रखा है और कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (क्ककरूरू) के तहत की गई है ।साथ ही यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी और उसके ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई है। यूनिवर्सिटी का नाम दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़ा था, जिसमें डॉक्टर उमर उन नबी ने 10 नवंबर को लाल किले के पास कार में धमाका किया था, जिससे 15 लोग मारे गए ।श्वष्ठ ने बताया कि यूनिवर्सिटी और उसके ट्रस्ट ने झूठी मान्यता और पहचान का दावा कर छात्रों और अभिभावकों को धोखे में रखा और इस तरह 415.10 करोड़ रुपए की अपराध की आय अर्जित की। जांच में सामने आया कि 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड थीं और कई कंपनियों में एक ही मोबाइल नंबर इस्तेमाल हुआ। साथ ही श्वक्कस्नह्र रिकॉर्ड भी अनुपलब्ध मिला ।श्वष्ठ ने कहा कि अगर कोर्ट अस्थायी जब्ती को मंजूरी देता है, तो सरकार एक अधिकारी को यूनिवर्सिटी का संचालन संभालने के लिए नियुक्त कर सकती है। इससे स्टूडेंट्स की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी ।हरियाणा सरकार भी यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसने की तैयारी मेंहरियाणा सरकार ने 22 दिसंबर को हरियाणा निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, 2025 पास किया। नए प्रावधानों के तहत, अगर किसी यूनिवर्सिटी में नेशनल सिक्योरिटी, देश की अखंडता और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े मामले में चूक होती है, तो सरकार उसका प्रशासन अपने हाथ में ले सकती है और यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई कर सकती है। यह पहल सुरक्षा कारणों से की गई है और पहले के बिल में यह प्रावधान मौजूद नहीं था।

तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवारों को कुचला, 2 मौतें:दशगात्र कार्यक्रम से लौट रहे थे, 4 महीने पहले ही हुई थी युवक की शादी

दुर्ग-भिलाई ,20 जनवरी (एजेंसी) । दुर्ग जिले में शुक्रवार (16 जनवरी) को सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हुई है। हादसा भिलाई तीन थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित पचपेड़ी गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। मृतकों की पहचान बोरसी हनोदा निवासी देवराज यादव (27) और उनके फूफा वीरेंद्र यादव (40) के रूप में हुई है।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि देवराज की शादी 4 महीने पहले ही हुई थी ।जानकारी के मुताबिक देवराज यादव अपने ससुराल गया हुआ था। वहां वो दशगात्र के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शुक्रवार शाम वह अपने फूफा के साथ बाइक से वापस अपने घर लौट रहा था ।दोनों जैसे ही पचपेड़ी गांव के पास पहुंचे, उसी दौरान पाटन की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी ।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों सवारों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई ।सुपेला अस्पताल में लाया गया शवहादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर भिलाई तीन थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला का लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद हाईवा चालक हुआ फरारपुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवा चालक मौके से भागने में कामयाब रहा। मृतक के पिता ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि हादसे को अंजाम देने वाले हाईवा के ड्राइवर को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है। घर का इकलौता बेटा थामृतक देवराज यादव के पिता के हेमंत कुमार यादव का कहना है कि मैं दुर्ग हनोदा में रहता हूं, मेरा बेटे की चार महीने पहले ही शादी हुई थी। घर का अकेला बेटा था कमाने वाला और परिवार चलाने वाला था ।ये उसकी शादी का चौथा महीना था। दशगात्र कार्यक्रम में गया हुआ था। लेकिन ऐसा हो गया। घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरा भी नहीं है। हाईवा चालक फरार हो गया है। अब तक पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी है।

DRG-दंपती के घर समेत 55 मकानों पर चला बुलडोजर:

कड़कड़ाती ठंड में टेंट में गुजारी रात, बीजापुर में लोग बोले-गांव जाएंगे तो नक्सली मार डालेंगे

बीजापुर,20 जनवरी (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में न्यू बस स्टैंड के पीछे स्थित चट्टानपारा इलाके में आज अवैध अतिक्रमण बताते हुए प्रशासन ने 55 मकानों पर बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के बाद इलाके में रहने वाले 55 परिवार बेघर हो गए हैं। पीड़ित परिवारों ने कड़कड़ाती ठंड में पॉलिथीन के टेंट के सहारे रात गुजारी।

इस दौरान डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (छ्रक्त्र) दंपती का घर भी तोड़ा गया, जबकि जवान ड्यूटी पर गया हुआ था। घर में मौजूद उसकी पत्नी के मुताबिक, वे यहां 2006 से रह रहे हैं, और गांव में उनके पास कोई घर नहीं है। कार्रवाई के दौरान कई महिलाओं की रोती हुई तस्वीरें भी सामने आई हैं। महिलाएं सवाल कर रही थीं- हम कहां जाएंगे?

पीड़ित गंगा माड़वी का कहना है कि वे अपने परिवार के साथ पिछले 4 सालों से यहां रह रहे हैं। नक्सली हिंसा के कारण वे अपने गांव को छोड़कर यहां आए थे। प्रशासन से बातचीत के बाद उन्होंने घर बनाया और नियमित रूप से टैक्स भी जमा कर रहे थे। अब प्रशासन घरों को तोड़ रहा है। गांव वापस गए तो नक्सली मार देंगे ।गंगा के मुताबिक तीन महीने पहले उन्हें मकान खाली करने का नोटिस मिला था, जिस पर मामला कोर्ट में चल रहा है। उन्हें यह भरोसा भी दिलाया गया था कि घर नहीं तोड़ा जाएगा, लेकिन अब अचानक मकानों को गिरा दिया गया।

अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान टूटे हुए घर के बाहर रखे सामान से किताबें देखती हुई बच्ची की तस्वीर भी सामने आई। रिपोर्टर के सवाल पूछने पर बच्ची कह रही है, सुबह स्कूल नहीं जा पाए, हमारा घर तोड़ दिया गया। घर पर खाना बना था लेकिन खाना भी नहीं खा पाए।

कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद बीजापुर के सीएमओ बीएल नुरेटी ने बताया कि 55 मकान न्यू बस स्टैंड के पीछे है। सभी को तोड़े जाएंगे। 20 मकान शांति नगर में है। जहां इसके बाद कार्रवाई होगी।

ना पीने की और ना खाने की व्यवस्थादैनिक भास्कर की टीम ने रात में मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से बातचीत की। जो परिवार कल तक अपने पक्के मकानों में बेफिक्री से सो रहे थे, वे आज उसी उजड़े हुए आशियाने के पास पॉलीथिन ढककर ठंड में रात बिताने को मजबूर हैं।

कार्रवाई के दौरान और उसके बाद प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए न तो पीने के पानी की व्यवस्था की गई और न ही भोजन उपलब्ध कराया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

धर्मांतरण रैकेट का खुलासा, अवैध आश्रम-चर्च संचालन का आरोप, हाईटेक उपकरण जब्त

राजनांदगांव,20जनवरी (एजेंसी)। जिले में कथित रूप से चल रहे धर्मांतरण के एक संगठित नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। ग्राम धर्मापुर में डेविड चाको नामक व्यक्ति पर अवैध रूप से आश्रम और चर्च संचालित करने का आरोप है, जहां नाबालिग बच्चों को रखकर धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियां कराई जा रही थीं। जानकारी के अनुसार आरोपी जिले के दूरस्थ गांवों को निशाना बना रहा था, जहां बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। ऐसे इलाकों में ग्रामीणों को प्रभावित करने के लिए सोलर सिस्टम से चलने वाले डिजिटल प्रोजेक्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी को हिरासत में ले लिया है। यह मामला लालबाग थाना अंतर्गत सुकुलदेहन चौकी क्षेत्र का है ।जांच में सामने आया है कि आरोपी के पास से कुछ विदेशी तकनीक वाले उपकरण बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत हजारों डॉलर बताई जा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क को विदेशों से आर्थिक सहायता मिल रही थी। प्रारंभिक जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि इस गिरोह के तार छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से भी जुड़े हो सकते हैं ।मामले की शुरुआत 8 जनवरी को ग्राम धर्मापुर से प्राप्त एक लिखित शिकायत से हुई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गांव में अवैध तरीके से आश्रम और चर्च का संचालन किया जा रहा है, जहां नाबालिग बच्चों को रखा गया है और कथित तौर पर धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं ।पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की। आरोपी डेविड चाको के खिलाफ छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी हुई है।

डाग बाइट्स पर राज्य सरकार को प्रभावितों को देना होगा बड़ा हर्जाना

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसी)। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्र म नाथ ने कामन काज एवं अन्य स्वयं सेवी संगठनों द्वारा लगाई गई याचिका पर देश भर में कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट से दिशा निर्देश देने की मांग की थी। जिस पर न्यायमूर्ति नाथ ने मंगलवार को निर्णय देते हुए कहा कि राज्य सरकारों को एवं डाग लवर्स को कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों अथवा प्रभावितों को रेबिज की बीमारी से होने वाले नुकसान के लिए बड़ा हर्जाना देना होगा। स्वयं सेवी संगठनों के अनुसार देश में 30 से भी अधिक प्रभावितों की मौत कुत्तों के काटने से हुई है। राजधानी रायपुर की बात करे तो शहर में ऐसा कोई वार्ड नहीं है जहां रात को कामकाजी लोगों को आए दिन कुत्तों के काटने से प्रभावित होना पड़ता है। यहां तक की घनी बस्ती क्षेत्रों में विशेषकर गलियों में मासूम बच्चों को भी कुत्तों ने नोच नोच कर मार डाला है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा है कि यदि डाग लवर्स को कुत्तों से इतना ही प्रेम है तो वे अपने घरों में सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों को गोद ले सकते हैं। कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का आकड़ा छग सहित देश भर में अन्य राज्यों में बढ़ता जा रहा है। पशु पालन विभाग नगर निगम एवं नगर पालिका में उक्त मामलों को लेकर कुत्तों की नसबंदी कार्यक्रम को भी पर्याप्त तरजीह नहीं दी जा रही है। जिसके चलते आए दिन लोगों को डाग बाइट का शिकार होना पड़ रहा है इस संबंध में हाईकोर्ट अधिवक्ता जेडी वाजपेयी एवं दीपाली पांडे ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे आम लोगों की सुरक्षा के लिए बेहतरीन फैसला बताया है साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नाथ के फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू करें।

दस लाख से अधिक नशीली पदार्थों को पुलिस ने किया बरामद

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसी)। राजधानी में आज वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के आपरेशन निश्चय के तहत दस लाख से अधिक नशीले पदार्थों का जब्त किये गये। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा सहित अन्य थानों में पुलिस द्वारा नशीली पदार्थों से जुड़े तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें नाबालिग शराब के अवैध कारोबार में पकड़े गये है। जो कि आश्चर्य का विषय है तेलीबांधा थाना में एक लाख का गांजा पकड़ा गया वहीं तीन लाख रुपये मूल्य के शराब पकड़ी गई। इसमें एक महिला भी शामिल है। गांजा के कारोबार में इस समय महिलाएं शामिल होने से काफी मामला गहराता जा रहा है। गत दिनों जीई रोड के किनारे एक बार में गांजा तस्कर से जुड़ी महिला की हत्या कर दी गई। जिसको लेकर सनसनी फैल गई है। फाफाडीह पुलिस द्वारा भी तीन लाख से अधिक का अवैध शराब पकड़ा गया है। नशीले पदार्थों में ड्रग्स अफीम तथा अन्य नशीले पदार्थ है जिसके कारण यहां पर एक गिरोह पकड़ाया है। ज्ञात रहे इस समय कालीबाड़ी चौक के पास नेहरू नगर तथा चौबे कालोनी में गीता नगर तथा राजेंद्र नगर अमलीडीह तथा कबीर नगर में पंजाब से आए मादक पदार्थों की जमकर तस्करी हो रही है। इसमें पंजाब से आए चिट्ठा एवं अफीम शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग की डिप्टी डायरेक्टर के 2.26 लाख गायब:स्टेशन से घर आते वक्त मोबाइल चोरी, दोबारा नंबर शुरू करने पर ठगी का मैसेज आया

रायपुर,20 जनवरी (एजेंसी) । राजधानी रायपुर में स्वास्थ्य विभाग की डिप्टी डायरेक्टर का मोबाइल चोरी कर अज्ञात ने उनके खाते से ढाई लाख पार कर दिए। 13 जनवरी को डॉ. निधि ग्वालरे का मोबाइल चोरी हुआ था, जिसकी शिकायत उन्होंने थाने में की थी, फिर उसी नंबर का डुप्लीकेट सिम दोबारा चालू कराया था।

2 दिन बाद डॉ. निधि के फोन में पैसे डेबिट होने का मैसेज आया, जिसमें अज्ञात ने यूपीआई के जरिए अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर उनके खाते से कुल 2 लाख 26 हजार 562 रुपए निकाल लिए थे। जिसके बाद पीड़िता फिर थाने पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।अब पढ़े क्या है पूरा मामलाडिप्टी डायरेक्टर डॉ. निधि ग्वालरे ने पुलिस को बताया कि वो 13 जनवरी को समता एक्सप्रेस से दिल्ली से रायपुर पहुंचीं। सुबह करीब 5:30 बजे रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वे

ऑटो से अपने घर समता कॉलोनी गईं ।घर पहुंचने के बाद करीब 7 बजे जब उन्होंने अपने पिट्ठू बैग की साइड पॉकेट चेक की तो मोबाइल फोन गायब मिला। उन्होंने तत्काल आजाद चौक थाने में मोबाइल गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई और संबंधित सिम को बंद करा दिया ।कुछ दिन बाद उन्होंने नया मोबाइल लेकर उसी नंबर का डुप्लीकेट सिम दोबारा चालू कराया। इसी दौरान 16 जनवरी को उनके मोबाइल पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से खाते से 5 हजार रुपए डेबिट होने का मैसेज आया। इससे उन्हें ठगी का संदेह हुआ। इसके बाद वे कचहरी स्थित बैंक शाखा पहुंचीं और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया ।थाने में दोबारा शिकायतस्टेटमेंट में खुलासा हुआ कि 13 से 16 जनवरी के बीच अज्ञात व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर उनके खाते से कुल 2 लाख 26 हजार 562 रुपए निकाल लिए हैं।

मामले की जानकारी मिलते ही डॉ. निधि ने थाने में दोबारा शिकायत दर्ज कराई।

गांव लौटने पर मारे जाने का डर:नक्सल पीड़ित परिवारों के मकानों पर चला बुलडोजर

बीजापुर,20 जनवरी (एजेंसी) । जिला मुख्यालय के नया बस स्टैंड के पीछे चट्टानपारा इलाके में शुक्रवार को पालिका बुलडोजर चला। इसने 55 मकान ढहा दिए। इनमें कुछ नक्सलियों के खात्मे में पुलिस की मदद करने वाले डीआरजी जवानों, तो कई नक्सल पीड़ित परिवारों के मकान हैं। ये लोग अपनी और परिवार की जान बचाने के लिए सालों पहले अपना गांव छोड़कर यहां आ गए थे ।अब छत के नाम पर खुला आसमान और सोने के लिए जमीन है। विस्थापन का इंतजाम न होने से रहने का दूसरा और ठौर नहीं रहा। अभी गांव वापस नहीं लौट सकते क्योंकि नक्सलियों के हाथों मारे जाने का डर है। कुल मिलाकर पालिका की कार्रवाई ने इन परिवारों का सुख-चैन छीन लिया है। बता दें कि कार्रवाई के तहत पालिका ने 55 मकानों को तोड़ा है ।शांतिनगर में भी 20 मकानों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है। इस कार्रवाई में डीआरजी जवानों के मकान भी तोड़े गए हैं। बताते हैं कि नया बस स्टैंड के पीछे के इलाके में अधिकांश परिवार बीते कुछ सालों से रह रहे थे। प्रशासन और नगर पालिका ने उन्हें नोटिस भी जारी किया, लेकिन अतिक्रमण खाली नहीं हुआ ।दूसरी ओर प्रभावितों का कहना है कि मजबूरी में अपना गांव छोड़कर यहां गुजर-बसर को मजबूर हैं। अगर अब शासन-प्रशासन भी उनकी नहीं सुनेगा, तो वे कहां जाएंगे। इस

कार्रवाई ने उन्हें रोड़ पर ला दिया है ।पति ऑपरेशन पर, लौटने से पहले पत्नी-बच्चे हो गए बेघर पुष्पा गटपल्ली के पति डीआरजी में बतौर जवान पदस्थ हैं। वह घर पर थीं और उनके पति एंटी नक्सल ऑपरेशन पर गए हुए हैं, जो तीन दिन बाद लौटेंगे। पति के ऑपरेशन में जाने के कारण वे अपने 3 बच्चों को लेकर अपने घर पर रह रही थी ।कुल 75 मकान तोड़े जाने हैं, 20 तो शांति नगर में हैंअतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के लिए प्रशासन ने दो जगहों पर 75 अवैध मकानों की सूची तैयार की है। पहले में जहां न्यू बस स्टैंड के 55 मकानों को जमींदोज किया, वहीं दूसरे में शांतिनगर के 20 मकानों पर प्रशासन का मशीनी पंजा चलेगा ।महिलाओं की आंखों से छलका दर्द- कहां जाएंगे?शुक्रवार सुबह से ही नगर पालिका का अमला, वन, राजस्व विभाग व पुलिस का अमला अफसरों समेत यहां डटा रहा। अतिक्रमण हटाने के दौरान महिलाओं का दर्द उनकी आंखों से छलक पड़ा। यहां रह रही गंगा माड़वी ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ बीते 4 सालों से यहां नक्सल हिंसा के कारण गांव छोड़कर यहां मकान बनाकर रह रही थी। प्रशासन की अनुमति के बाद उन्होंने मकान बनाया और नियमित कर भी जमा किए। अब प्रशासन उनके घरों को तोड़ चुका है ।बीते दो सालों से कब्जाधारियों को नोटिस दी जाती रही है। 22 दिसंबर को आखिरी बार नोटिस देकर कब्जा खाली नहीं करने पर मकानों को तोड़ने की चेतावनी भी दी गई थी, बावजूद कब्जा खाली नहीं किया गया ।बंशीलाल नुरूटी, नपा सीएमओअतिक्रमण हटाने कब्जाधारियों को लगातार नोटिस दिए जाने के बावजूद कब्जा खाली नहीं किया गया। इसलिए कार्रवाई करनी पड़ी है। सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में अब तक 41 लाख से ज्यादा नल-कनेक्शन लगे:5564 गांव 'हर घर जल ग्राम' घोषित, लापरवाह ठेकेदारों पर 28.38 करोड़ का जुर्माना

रायपुर,20 जनवरी (एजेंसी) । छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के तहत अब तक 41 लाख 87 हजार से अधिक घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, ये जानकारी नवा रायपुर अटल नगर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित कांफ्रेंस में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दी।

उन्होंने बताया कि इससे 32 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। मिशन शुरू होने से पहले राज्य में केवल 3 लाख 19 हजार घरेलू नल कनेक्शन थे, जबकि पिछले दो सालों में ये संख्या बढ़ी है। इस मिशन के तहत लापरवाह ठेकेदारों पर अब तक 28.38 करोड़ का जुर्माना भी लगाया जा चुका है ।साव ने बताया कि वर्तमान में 6,572 गांवों में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 5,564 गांवों को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है। इनमें से 4,544 ग्रामों का विधिवत प्रमाणीकरण भी हो चुका है ।बीते दो वर्षों में हर घर जल सर्टिफाइड ग्रामों की संख्या में 750 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 5,088 ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति योजनाओं का हस्तांतरण किया गया है। 'पेयजल व्यवस्था में सुधार'अरुण साव ने कहा कि जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार देखने को मिला है ।राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध और सतत पेयजल उपलब्ध कराना है तथा छत्तीसगढ़ को शीघ्र 'हर घर जल' राज्य बनाना है ।70 समूह जल प्रदाय योजनाएं प्रगतिरतडिप्टी सीएम साव ने कहा कि जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण इलाकों में 3.08 लाख हैंडपंप, 4,440 नलजल योजनाएं और 2,132 स्थल जल प्रदाय योजनाएं संचालित थीं ।वर्तमान में 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे 3,208 गांव लाभान्वित हो रहे हैं और लगभग 9.85 लाख नल कनेक्शन जोड़े गए हैं ।77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं

संचालितजल गुणवत्ता पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं संचालित हैं, जिनमें 47 मान्यता प्राप्त हैं। पेयजल से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-0008 भी सक्रिय है ।काम में लापरवाही, 28.38 करोड़ से अधिक का जुर्मानाउपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया गया। दोषपूर्ण कार्यों पर पिछले दो वर्षों में 28.38 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना, 629 अनुबंध निरस्त और 11 फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया है ।आने वाले समय में शेष 8 लाख नल कनेक्शन, अधूरी योजनाओं को पूर्ण करना और सभी गांवों तक सुरक्षित जल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

डब्ल्यूपीएल 2026: यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नवी मुंबई ,20 जनवरी (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के 10वें मैच यूपी वॉरियर्स ने शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से करारी शिकस्त दे दी. कप्तान मेग लैनिंग की शानदार बैटिंग की बदौलत यूपी 187 का टोटल बनाने में सफल रही थी.उसके बाद मुंबई इंडियंस की टीम 188 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अमनजोत और अमेलिया केर के आखिर में जुझारू प्रयास के बावजूद लड़खड़ा गई, और यूपी वॉरियर्स के खिलाफ 20 ओवर में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई.डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई की शुरुआत खराब रही, ओपनिंग बैटर सजीवन सजना (10) पावरप्ले के अंदर ही सस्ते में आउट हो गईं, जबकि टीम में वापसी करने वाली हेले मैथ्यूज (13) थोड़े समय के योगदान के बाद आउट हो गईं, जिससे मुंबई इंडियंस शुरुआती मुश्किल में पड़ गई.कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन यूपी वॉरियर्स की अनुशासित बॉलिंग के सामने खुलकर खेलना मुश्किल लगा. वह सिर्फ 18 रन के मामूली स्कोर पर आउट हो गईं, जिससे मुंबई के लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीदों को और झटका लगा. नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से, मुंबई इंडियंस पारी के पहले हाफ में जरूरी रन रेट से काफी पीछे हो गई.फिर जिम्मेदारी अमेलिया केर पर आई, जिन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस की सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडर साबित हुईं. केर ने 28 गेंदों में 49 रन की पारी खेली. जिससे मुंबई की लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीदें थोड़ी देर के लिए फिर से जाग गईं.केर को अमनजोत कौर का बहुमूल्य साथ मिला, जिन्होंने लीग में अपनी सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली. अमनजोत ने सिर्फ 24 गेंदों में 41 रन की शानदार पारी खेली, दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 83 रन जोड़े, जो मुंबई इंडियंस की पारी की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी थी. हालांकि, यूपी वॉरियर्स ने एक अहम मौके पर स्ट्राइक करके मोमेंटम तोड़ दिया. शिखा पांडे ने एक अच्छी गेंद पर अमनजोत कौर को आउट कर दिया, जिससे खतरनाक पार्टनरशिप खत्म हो गई और मोमेंटम फिर से वॉरियर्स के पक्ष में आ गया. केर नाबाद रहीं लेकिन अपनी टीम को मैच नहीं जिता पाईं.

इससे पहले टॉस हारने के बाद बैटिंग करते हुए, यूपी वॉरियर्स ने शुरुआती झटके से उबरते हुए 187 रन का बड़ा स्कोर बनाया, जो आखिरी ओवरों में जोरदार वापसी के बावजूद मुंबई इंडियंस की पहुंच से बाहर साबित हुआ.वॉरियर्स को पहले ही ओवर में झटका लगा जब किरण नवगिरे निकोला कैरी की गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गईं. उसके बाद कप्तान मेग लैनिंग ने एक बार फिर दबाव में अपनी क्लास और धैर्य दिखाया, और अपनी साथी ऑस्ट्रेलियाई फोबे लिचफील्ड के साथ एक अहम पार्टनरशिप करके पारी पर फिर से कंट्रोल हासिल किया.लैनिंग और लिचफील्ड ने अधिकार और समझदारी से बैटिंग की, सावधानी के साथ नियंत्रित आक्रामकता दिखाते हुए दूसरे विकेट के लिए 119 रन जोड़े, जो डब्ल्यूपीएल इतिहास में यूपी वॉरियर्स के लिए दूसरी सबसे बड़ी पार्टनरशिप है. लैनिंग ने सिर्फ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो लीग में उनका 11वां अर्धशतक था और उन्होंने एक नया डब्ल्यूपीएल रिकॉर्ड बनाया. वह आखिरकार 45 गेंदों में शानदार 70 रन बनाकर आउट हुईं, इस पारी में 11 चौके और दो छक्के शामिल थे, जबकि लिचफील्ड भी जल्द ही 37 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हो गईं, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे.ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के आउट होने के बाद, यूपी वॉरियर्स ने क्लो ट्राइटन (21) और हरलीन देओल (25) के तेज योगदान से मोमेंटम बनाए रखा. आखिरी ओवरों में शानदार खेल की वजह से वॉरियर्ज ने अच्छा फिनिश किया.

अंडर 19 वर्ल्ड कप: श्रीलंकाई बल्लेबाज का नया कीर्तिमान, तोड़ा 8 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड

विंडहोक ,20 जनवरी (नामीबिया) (एजेंसी)। श्रीलंका के विरान चामुदिथा ने शनिवार, 17 जनवरी को जापान के खिलाफ मैच के दौरान अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रच दिया. चामुदिथा ने 192 रन बनाए, जो अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है. इसके साथ 17 वर्षीय ओपनर चामुदिथा ने 2018 में केन्या के खिलाफ बनाए गए श्रीलंका के अपने ही देश के हसिथा बोयागोडा के 191 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया. चामुदिथा ने अपनी पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया. खास बात ये है कि चामुदिथा ने अब तक 17 यूथ वनडे खेले हैं और यह इस फॉर्मेट में उनका पहला शतक था. इस पारी से पहले उनके नाम तीन अर्धशतक थे. इस शानदार पारी की बदौलत श्रीलंका ने अपने 50 ओवर में चार विकेट पर 387 रनों का बड़ा स्कोर बनाया. उसके बाद जापान को पूरे 50 ओवर में केवल 184 रन ही बनाने दिया. जिसकी वजह से श्रीलंका ने 203 रनों से मैच को अपने नाम कर लिया. इसके अलावा चामुदिथा ने दिमांथा महाविथाना के साथ रिकॉर्ड तोड़ 328 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप का नया रिकॉर्ड है. इससे पहले ये रिकॉर्ड इंग्लैंड के डैन लॉरेंस और जैक बर्नहैम के नाम था, जिन्होंने 2016 में फिजी के खिलाफ 303 रनों की पार्टनरशिप की थी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम का हुआ ऐलान, इस खिलाड़ी की हुई वापसी

नईदिल्ली ,20 जनवरी(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है. जिसमें स्पिनर श्रेयंका पाटिल लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद टी20 टीम में वापसी कर रही हैं. भारतीय टीम इस दौरे पर तीन टी20 मैच, तीन वनडे इंटरनेशनल और एक टेस्ट मैच खेलेगी. जो 15 फरवरी से शुरू होगी.हरमनप्रीत कौर वनडे और टी20 दोनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान बनी रहेंगी, वहीं टेस्ट टीम की घोषणा बाद में की जाएगी. भारतीय महिला और ऑस्ट्रेलियाई महिला के बीच टूर्नामेंट 15 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक चलेगा. दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी, जिसका पहला मैच 15 फरवरी को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होगा, इसके बाद दूसरा टी20 मैच 19 फरवरी को कैनबरा के मनुका ओवल में और तीसरा मैच 21 फरवरी को एडिलेड ओवल में होगा.टी20 के बाद, ध्यान वनडे सीरीज पर जाएगा, जो 24 फरवरी को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में शुरू होगी. इसके बाद टीमें दूसरे और तीसरे वनडे के लिए होबार्ट के बेलेरिव ओवल जाएंगी, जो क्रमशः 27 फरवरी और 1 मार्च को होने हैं. दौरे का समापन प्रतिष्ठित एकमात्र टेस्ट मैच के साथ होगा, जो 6 से 9 मार्च तक पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा.श्रेयंका, जिन्होंने आखिरी बार 2024 टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, अपनी पिंडली, कलाई और अंगूठे में चोटों के कारण लगभग 14 महीने तक बाहर रहने के बाद टी20 टीम में वापसी कर रही हैं. ऋचा घोष और जी कमलिनी को सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों के लिए विकेटकीपिंग विकल्प के रूप में नामित किया गया है.भारतीय महिला की टी20 टीमहरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, श्रेयंका पाटिलभारतीय महिला की वनडे टीमहरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल

डब्ल्यूपीएल 2026: मंधाना की शानदार पारी से आरसीबी ने दर्ज की लगातार चौथी जीत

नवी मुंबई ,20 जनवरी (एजेंसी)। स्मृति मंधाना की शानदार 96 रनों की पारी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दिल्ली कैपिटल्स पर आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई. इस जीत के साथ आरसीबी ने लगातार चार मैच जीतकर डब्ल्यूपीएल 2026 में अपनी अजेय स्थिति बरकरार रखी. आरसीबी ने 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, नवी मुंबई लेग का अपना आखिरी मैच दस गेंदें शेष रहते आराम से जीत लिया. यह बड़ी जीत थोड़ी फीकी पड़ गई क्योंकि स्मृति मंधाना आरसीबी के लिए 61 गेंदों में 96 रन बनाकर आउट हो गईं, जिससे लीग को अपना पहला शतक देखने को नहीं मिला.

इससे पहले, स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया, जिसका आरसीबी को तुरंत फायदा मिला. लॉरेन बेल ने पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए डीसी को दो शुरुआती झटके दिए, लिज़ी ली (4) और लॉरा वोल्वार्ड्ट (0) के विकेट लिए. दबाव तब और बढ़ गया जब एलिस पेरी की जगह खेल रही सायली सतघरे ने अपने अगले ओवर में दो विकेट लिए. उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स और मारिज़ैन कैप को लगातार गेंदों पर आउट किया, जिससे डीसी दो ओवर के अंदर 10/4 के मुश्किल हालात में आ गई.डीसी खुद को बहुत मुश्किल स्थिति में पा रही थी; हालांकि, शैफाली वर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 41 गेंदों में 62 रन बनाए और पांच चौके और चार छक्के लगाए. उन्होंने पांचवें विकेट के लिए निकी प्रसाद के साथ 59 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा क्योंकि पावरप्ले के आखिरी ओवर में गौतमी नाइक ने उनका

कैच छोड़ दिया था. निकी सिर्फ 12 रन बना पाईं. शैफाली ने बीच के ओवरों में भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा, उन्हें स्नेह राणा का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 22 गेंदों में 22 रन बनाए. 17वें ओवर में बेल ने शैफाली को आउट करने के बाद, डेब्यू करने वाली लूसी हैमिल्टन ने 19 गेंदों में 36 रनों की साहसिक पारी खेलकर टीम को देर से गति दी, जबकि एन श्री चरानी ने 11 रन बनाए. डीसी आखिरी गेंद पर ऑल आउट हो गई और 166 रन बनाए. आरसीबी के गेंदबाजों ने विकेट बांटे, जिसमें बेल ने 3/26 और सतघारे ने 3/27 विकेट लिए. प्रेमा रावत ने 2/16 विकेट लिए, और नादिन डी क्लर्क ने 1/31 विकेट लिया, जबकि नंदिनी शर्मा आखिरी गेंद पर रन आउट हो गईं. आरसीबी की चेज की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, जब मारिजेन कैप ने पहले ही ओवर में ग्रेस हैरिस को आउट कर दिया, लेकिन यह डीसी के लिए एकमात्र अच्छी बात थी, क्योंकि स्मृति मंधाना ने जॉर्जिया वोल के साथ मिलकर शानदार बैटिंग करते हुए दूसरे विकेट के लिए 142 रनों की नई रिकॉर्ड पार्टनरशिप बनाई. मंधाना ने बहुत अच्छा खेला, और वोल ने धीमी शुरुआत के बाद 42 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, और ऋचा घोष ने 4 गेंदों में 7 रन बनाकर आरसीबी को

रोहित शर्मा ने इन वनडे सीरीज में बतौर ओपनर बनाए हैं सबसे कम रन

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में प्रदर्शन बेहद खराब रहा। वह 3 मैचों में 61 ही रन बना पाए। इससे भारत को तीनों मैचों में बेहतर शुरुआत नहीं मिल पाई और टीम को सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। यह न्यूजीलैंड की भारत में पहली वनडे सीरीज जीत रही। आइए रोहित के लिए बतौर ओपनर सबसे खराब रही वनडे सीरीज पर नजर डालते हैं।

रोहित के लिए बतौर ओपनर साल 2011 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेली गई 5 वनडे मैचों की सीरीज सबसे खराब थी। सीरीज में रोहित ने 3 मैचों में पारी की शुरुआत की, लेकिन असफल रहे। वह 3 मैचों में केवल 29 रन बनाने में सफल रहे थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 23 रन का रहा था।

व्यापार

5जी उपभोक्ताओं में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर, सेबी ने 12 संस्थाओं पर पांच साल का बैन लगाया

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसी)। भारत 5जी के यूजर्स के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यहां कुल 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, पहले स्थान पर चीन है। दुनिया में इस तकनीक को तेजी से अपनाने में भारत आगे है। सिंधिया ने बताया, भारत किस प्रकार पैमाने, गति और डिजिटल परिवर्तन के मामले में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। 2022 में लॉन्च होने के बाद से 5जी सेवाएं 99.6 फीसदी ग्राहकों तक पहुंच चुकी हैं। 85 फीसदी आबादी इससे लाभान्वित हो चुकी है।

संचार मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2025 तक दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 4.69 लाख 5जी बेस ट्रांससीवर स्टेशन स्थापित किए हैं। यह 5जी नेटवर्क के तेज विस्तार में से एक है। 5जी के लॉन्च के बाद से 25 करोड़ मोबाइल ग्राहक इस सेवा का उपयोग कर रहे हैं। सिंधिया ने कहा, दुनिया के अन्य हिस्सों में ऐसी तकनीक विकसित करने में दशकों का समय लगा। भारत ने इसे दो साल में विकसित किया।?भारत ने 6जी मिशन के तहत स्वदेशी 6जी अनुसंधान और विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है।

बजट से बाजार तक का सफर...पहला वेबिनार आज

बजट हर बार सुनते हैं, इस बार समझने का मौका है। इस बार बजट भाषण के दौरान आप पता कर पाएंगे कि बजट से शेयर बाजार में किस सेक्टर के किन शेयरों पर असर पड़ेगा। कौन से शेयर बढ़ सकते हैं और किन शेयरों में गिरावट आ सकती है। यह भी पता चल सकेगा कि किन म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश से फायदा होगा।आप जान पाएंगे कि बजट के बाद कौन सी कमोडिटीज के दाम बढ़ या घट सकते हैं। इन सबके लिए बजट की बारीकियां समझनी होंगी और इन्हें समझाने के लिए द बोनस वेबिनार सीरीज का आयोजन कर रहा है। इस वेबिनार सीरीज में द बोनस के संपादक अंशुमान तिवारी, जाने-माने अर्थशास्त्री आलोक पौराणिक और शुभम शंखधर बताएंगें कि बजट को देखकर-समझकर बाजार का कैसे अनुमान लगाएं।छु द बोनस टीम

बताई जाएंगी घोषणाओं के पीछे की कहानीसीरीज का पहला वेबिनार बजट से पहले 17 जनवरी को सुबह 11 बजे होगा। इसमें बताया जाएगा कि बजट को कैसे सुना और पढ़ा जाए, कौन-सी बातें सबसे महत्वपूर्ण होती हैं और किन आंकड़ों पर आपको विशेष ध्यान देना चाहिए।

दूसरा वेबिनार 2 फरवरी को शाम 5 बजे होगा, जिसमें बजट के बाद बाजार की दिशा पर फोकस रहेगा। इसमें चर्चा होगी कि बजट के बाद सोने में तेजी आएगी या नहीं।?शेयर बाजार, बीमा क्षेत्र, म्यूचुअल फंड व क्रिप्टो किस दिशा में जाएगा।तीसरा वेबिनार 4 फरवरी को दोपहर 3 बजे आयोजित होगा।?इसमें बजट घोषणाओं के पीछे की असली कहानी सामने लाई जाएगी।

अवैध शेयर ट्रेडिंग मामले में सेबी ने की कार्रवाईपूंजी बाजार नियामक सेबी ने फ्रंट-रनिंग (अवैध तरीके से शेयर की ट्रेडिंग) के एक मामले में 12 संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और उन पर 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी ने इन संस्थाओं को 1.07 करोड़ रुपये की अवैध कमाई 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ 45 दिनों के भीतर निवेशक संरक्षण और शिक्षा कोष में जमा कराने का भी निर्देश दिया है।102 पेज के अंतिम आदेश में सेबी ने पाया कि बड़े क्लाइंट (मंगल केशव फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर परेश एन भगत) ने अपने डीलरों, आशीष एस पारेख और राजेश जोशी के जरिये ऑर्डर दिए थे, जिनके पास गैर-सार्वजनिक सूचना (एनपीआई) थी।आदेश में कहा गया है कि पारेख और जोशी ने यह गोपनीय जानकारी नागेंद्र एस दुबे और चिराग अतुल पिथडिया के साथ साझा की थी, जिन्होंने इसे आगे जुड़े खातों में पहले से सौदे करने के लिए इस्तेमाल किया। नियामक ने कहा कि गैर-सार्वजनिक सूचना के आधार पर की गई ट्रेडिंग धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आती है।

शेयर बाजार में रौनक, सेंसेक्स 83,670 पर खुला, निफ्टी 42 अंक चढ़कर 25,708 पर

मुंबई ,20 जनवरी (एजेंसी)। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच जल्द मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने की उम्मीद से निवेशकों की धारणा मजबूत रही.सुबह 9:25 बजे बीएसई सेंसेक्स 239 अंकों यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,622 के स्तर पर पहुंच गया. वहीं एनएसई निफ्टी 50 अंक या 0.20 प्रतिशत चढ़कर 25,715 पर कारोबार करता दिखा. बाजार की व्यापक स्थिति भी सकारात्मक रही. निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत चढ़ा. इससे संकेत मिलता है कि निवेशकों की रुचि केवल बड़े शेयरों तक सीमित नहीं रही.सेक्टोरल आधार पर आईटी इंडेक्स सबसे बड़ा गेनर रहा, जिसमें करीब 1.96 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली. रियल्टी सेक्टर भी 1.28 प्रतिशत चढ़ा. दूसरी ओर मीडिया, मेटल और फार्मा शेयरों में 0.3 से 0.5 प्रतिशत तक की हल्की गिरावट दर्ज की गई.अब बाजार की नजर भारत में आने वाले तीसरी तिमाही (क्यू3) के

नतीजों पर रहेगी. बेहतर नतीजों से चुनिंदा शेयरों में तेजी आ सकती है, लेकिन पूरे बाजार में बड़ी रैली की संभावना कम बताई जा रही है.विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली छोटी रैलियों को दबा सकती है. एफआईआई की बढ़ती शॉर्ट पोजिशन यह संकेत देती है कि निकट अवधि में उनकी बिकवाली जारी रह सकती है.निफ्टी के लिए तत्काल सपोर्ट 25,500-25,550 के स्तर पर माना जा रहा है, जबकि 25,800-25,900 का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस के रूप में देखा जा रहा है.एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला. चीन का शंघाई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत फिसला, शेनझेन 0.09 प्रतिशत चढ़ा, जापान का निक्केई 0.44 प्रतिशत गिरा, जबकि कोरिया का कोस्पी 1.13 प्रतिशत मजबूत रहा. अमेरिकी बाजारों में भी गुरुवार को बढ़त दर्ज की गई, जिससे वैश्विक संकेत घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक बने रहे.

आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का अनुमान जताया, बताया दुनिया का प्रमुख विकास इंजन

नईदिल्ली ,20 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिका के लगातार बढ़ते टैरिफ दबाव और अतंराष्ट्रीय व्यापार चुनौतियों के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान जताया है कि भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी जारी रहेगी। आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने गुरुवार को वाशिंगटन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत की तीसरी तिमाही की वृद्धि उम्मीद से अधिक मजबूत रही है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख विकास इंजन है।कोजैक ने कहा कि आईएमएफ के आकलन में, भारत की विकास दर में बढ़ोतरी दिखी, जो काफी हद तक मजबूत घरेलू खपत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि आईएमएफ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। उन्होंने कहा, हमने तब से जो देखा है वह यह है कि भारत में तीसरी तिमाही की वृद्धि उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत रही है। इससे संभावना बनती है कि आईएमएफ आगे चलकर अपने पूर्वानुमान को बढ़ाएगा।कोजैक ने कहा, मुझे लगता है कि भारत के बारे में हमारा मुख्य निष्कर्ष यह है कि यह वैश्विक विकास का एक प्रमुख चालक रहा, जो काफी मजबूत है। उन्होंने कहा, इस घटनाक्रम से आईएमएफ के विकास पूर्वानुमान में ऊपर की ओर संशोधन की संभावना बढ़ती है। संभावना है कि हम भविष्य में अपने पूर्वानुमान बेहतर बनाएंगे। बता दें कि आईएमएफ अगले सप्ताह विश्व आर्थिक आउटलुक का अद्यतन संस्करण जारी करेगा, जिसमें भारत समेत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संशोधित अनुमान हैं।

निर्यात की ऊंची उड़ान, दिसंबर में 38.5 अरब डॉलर के पार पहुंचा भारत का एक्सपोर्ट

नईदिल्ली ,20 जनवरी (एजेंसी)। जहां एक ओर दुनिया वैश्विक मंदी की आशंकाओं से जूझ रही है, वहीं भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती के संकेत दे रही है. नवंबर के बाद दिसंबर में भी देश के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर महीने में भारत का वस्तु निर्यात 1.87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 38.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया.वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि दिसंबर 2025 में आयात बढ़कर 63.55 अरब डॉलर हो गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह 58.43 अरब डॉलर था. समीक्षाधीन माह में देश का व्यापार घाटा 25 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान बनाए हुए है.वाणिज्य सचिव ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु और सेवाओं का कुल निर्यात 850 अरब डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है. अप्रैल से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान निर्यात 2.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 330.29 अरब डॉलर दर्ज किया गया.अग्रवाल के अनुसार, वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी सालाना आधार पर वृद्धि हुई है.

भारत ने अपने निर्यात को चीन, रूस और पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) जैसे बाजारों की ओर विविधीकृत करने पर विशेष जोर दिया है. प्रोत्साहन योजनाओं और यूरोपीय संघ समेत प्रस्तावित व्यापार समझौतों से इन प्रयासों को समर्थन मिला है. अगस्त के अंत में अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के बावजूद इन कदमों से शिपमेंट को सहारा मिला.अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बीच भारत का निर्यात अब भी सकारात्मक दायरे में बना हुआ है.दिसंबर में अमेरिका को होने वाला मर्चेंडाइज निर्यात नवंबर के 6.92 अरब डॉलर से मामूली घटकर 6.89 अरब डॉलर रह गया. हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में अमेरिका को कुल शिपमेंट सालाना आधार पर 9.75 प्रतिशत बढ़कर 65.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया.भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है. पिछली बार वार्ता में रुकावट आने के बाद अब दोनों देश फिर से संवाद में जुटे हैं. वाणिज्य सचिव ने बताया कि दोनों देशों की वार्ताकार टीमें वर्चुअल माध्यम से संपर्क में हैं और बातचीत रुकी नहीं है. उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की जा सकती. इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया था कि उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की है.

टीईटी 1 फरवरी को: आधी बांह के ही कपड़े पहनकर आएं

परीक्षा प्रारम्भ होने के 30 मिनट पूर्व बंद कर दिए जाएंगे मुख्य द्वार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा जिले में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 1 फरवरी को दो पालियों में आयोजित होगी। परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गए है। व्यावसायिक परीक्षा मंडल के निर्देशानुसार परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थियों को हल्के रंग की आधी बाँह वाले कपड़े पहनकर आना होगा। काले, गहरे नीले, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी रंग और गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट के) अनुमति होगी। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारम्भ होने के 2 घण्टे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा, ताकि उनका मंडल के निर्देशानुसार फ्रिस्किंग (भौतिक रूप से जांच) तैनात महिला और पुरुष पुलिस कर्मी द्वारा और मूल फोटो युक्त पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। निर्देश के अनुसार पहचान पत्र की फोटोकॉपी या अन्य किसी साधन में सुरक्षित मान्य नही होगी। मंडल के निर्देशों के अनुसार सभी परीक्षार्थियों को अपने लिये निर्धारित परीक्षा केंद्र का प्रत्यक्ष अवलोकन करलें। परीक्षा दिवस को परीक्षा प्रारम्भ होने के 30 मिनट पूर्व ही मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे। 1 फरवरी को प्रथम पाली सुबह साढ़े 9 बजे से प्रारम्भ होगी। इसलिए 30 मिनट पूर र पूर्व सुबह 9 बजे परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा, इसी तरह द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से प्रारम्भ होगी, 30 मिनट पूर्व दोपहर 2.30 बजे परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। व्यावसायिक परीक्षा मंडल के निर्देशानुसार परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षार्थियों को हल्के रंग की आधी बाँह वाले कपड़े पहनकर आना होगा। काले, गहरे नीले, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी रंग और गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट के) अनुमति होगी। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतार कर सुरक्षाकर्मी से जांच करना होगा स्वेटर हेतु हल्के रंग व आधे बाँह का बंधन नहीं होगा। इसके अतिरिक्त फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहन कर आने की अनुमति होगी एवं कान में किसी भी प्रकार की आभूषण पहनना वर्जित रहेगा।

पत्नी ने पति की उंगली तोड़ी, डंडे से मारा

बच्चों सहित सारा सामान लेकर चली गई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पत्नी ने पति की उंगली तोड़ दी। डंडे से मारा और बच्चों सहित सारा सामान लेकर चली गई। मामला अब थाना तक पहुंच चुका है।

मामला दर्री थाना क्षेत्र का है। दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक यहां शैलेन्द्र कुमार किराये के मकान में रहता है व एनटीपीसी में ठेका कंपनी में कार्य करता है। उसके जुड़वा बच्चे हैं। वह रात्रि लगभग 7:30 बजे एनटीपीसी गेट के पास अपने दोस्त के साथ था। उसी समय पत्नी ने फोन कर घर बुलाया। दोस्तो के साथ घर पहुँचने पर उसने 10 माह की बेटी को गोद में देकर कहने लगी कि मैं दोनों बच्चों को एक साथ नहीं पाल सकती हूँ। तुम घर में खाना बनाने वाली, बर्तन धोने वाली बाई को रखों नहीं तो मैं अपने मायके चली जाउंगी। जिसका विरोध करते हुए पति ने कहा कि मैं ठेका कंपनी में काम करता हूँ इतना खर्चा नहीं उठा पाउंगा। पहले मम्मी-पापा के साथ थे तब तुमको आराम था। मम्मी-पापा से मारपीट करके घर से निकल कर यहां किराये के मकान में हो, तो अच्छा लग रहा है। यह बातें सुनकर भड़कते हुए गालियां देकर धक्का दे दिया। बेटी को संभाल ही रहा था तो पत्नी ने पति के बाएं हाथ की चीनी उंगली को मोड़कर तोड़ दी और डंडे से पीठ में मारपीट की। उस समय दोनो दोस्त बीच-बचाव किया। जब पति शिकायत करने दर्री थाना गया तब अस्पताल में एक्स-रे कराया गया, जिसमें चीनी अंगुली के हड्डी को बैठाकर कच्चा प्लास्टर किया गया। उसी दौरान सास भारती बाई राठौर घर आकर पत्नी सहित दोनों बच्चों को लेकर चली गई और पति के सामान को छोड़कर घर का लगभग सारा सामान जैसे-किचन का पूरा बर्तन, गैस चूल्हा, सिलेन्डर, बेडशीट, कम्बल, अपना गहना लेकर चली गई है। प्रार्थी ने बताया कि उसकी पत्नी अत्यधिक गुस्सैल स्वभाव की है। बात-बात पर लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौच करती है। आत्महत्या करके घरवालों को फंसाने की धमकी देती है। माता-पिता के साथ भी कई बार हाथापाई कर चुकी है, जिसकी शिकायत थाना दर्री में की है। शैलेन्?द्र की रिपोर्ट पर आरोपिया पत्नी के विरुद्ध धारा 115(2), 296 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से नहीं मिला राशन

जनदर्शन में कलेक्टर से की गई शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत नकिया के पहाड़ी कोरवा परिवारों को 3 महीने से राशन नहीं मिल रहा है। सोमवार को जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत को अपनी समस्या बताई। उनका कहना था कि दुकान संचालक फिंगर प्रिंट लेने के बाद राशन नहीं दे रहा है। कलेक्टर ने दो दिनों के भीतर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। पहाड़ी कोरवाओं ने बताया कि राशन नहीं मिलने के कारण बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुकान संचालक राशन नहीं होना बताकर वापस भेज देता था। इसकी वजह से ही उन्हें 70 किलोमीटर दूर कलेक्टर जनदर्शन में आना पड़ा। सूत्रों की मानें तो यहां दुकान का संचालन समूह करती है। संचालन करने वालों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी। इसके बाद राशन का भी समायोजन कराएंगे। सभी परिवारों को समय पर राशन मिले इसका प्रयास किया जा रहा है।

बरमपुर-दर्री बैराज टू-लेन सड़क बनाने 127 को नोटिस

सड़क के लिए 53 और पुल के लिए 17 करोड़ का हुआ है टेंडर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बरमपुर-दर्री बैराज तक 8.20 किलोमीटर टू लेन सड़क बनाने 127 लोगों को कब्जा हटाने नोटिस जारी किया गया है। यही नहीं मलबे मुआवजा देने के लिए 2.9 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस सड़क की लागत 83 करोड़ है। सड़क के लिए 53 करोड़ और पुल के लिए 17 करोड़ का टेंडर जारी हुआ है।

शहर से गुजरी दायीं और बायीं तट नहर के दोनों ओर 20 से 50 मीटर जमीन बेजा कब्जा की भेंट चढ़ गई। शहर के बीच से 12 किलोमीटर लंबी नहर गुजरी है। दूसरी ओर नहर की निगरानी के लिए पूरा अमला है, लेकिन किसी ने बेजा कब्जा रोकने का प्रयास नहीं किया। अब जमीन की जरूरत - पड़ने पर हटाने के लिए मुआवजा भी देखना पड़ रहा है। दर्री बराज से 40 साल पहले दायीं और बायीं तट नहर सिंचाई के लिए बनाई गई है। यहां से नहर जांजगीर-चांपा जिले के चंद्रपुर और शिवरीनारायण तक गई है। शहर में नहर किनारे दायीं तट नहर प्रगतिनगर होते हुए बरमपुर, सर्वमंगला होते हुए कनकी तक गई है। बाईं तट नहर कोहड़िया से होते हुए 15 ब्लॉक, पंप - हाउस, टीपीनगर, राताखार, - तुलसीनगर, इमलीडुग्गू, संजय नगर, सीतामढ़ी से आगे बरबसपुर - उरगा से होकर आगे निकलती है। इसके किनारे ही अब कई बस्तियां बस गई हैं। लोगों ने पक्के मकान भी बना लिए हैं। यहां तक कि नहर के ऊपर को भी लोग बेजा कब्जा कर रहे हैं। इसके बाद भी विभाग के अधिकारी कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। रास्ते को घेरकर रखा गया है। इसकी जानकारी लोगों ने अफसरों को दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। निगम ने यातायात के दबाव को कम करने के लिए सुनालिया नहर पुल से लेकर राताखार पुल तक सड़क बनाने सर्वे किया है। शुरुआत में ही दुकानें बन गई है।

बेजा कब्जा हटाने के लिए मशक्कत

जिले के हिस्से में दायीं तट नहर 23 किलोमीटर तक दर्री उप संभाग के जिम्मे है। साथ ही बायीं तट नहर 32 किलोमीटर आता है। इसके आगे का हिस्सा जांजगीर-चांपा जिले में आता है, लेकिन यहां के अधिकारी शहर की जमीन को भी नहीं बचा पाए। जिसकी वजह से ही अब बेजा कब्जा हटाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

26 हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन मंडल कोरबा में 26 हाथी विचरण कर रहे हैं। धरमजयगढ़ वनमंडल से पहुंचे 15 हाथी सोमवार को कुदमुरा के पास बांसबाड़ी जंगल पहुंच गए। वन विभाग की टीम हाथियों की ड्रोन कैमरे से निगरानी करती रही। आसपास गांव में भी मुनादी कराकर लोगों को सतर्क कर दिया है। हाथी धान कटाई होने के बाद भोजन की तलाश में गांव किनारे भी पहुंच रहे हैं। ग्रामीण घर के आसपास बाड़ी लगाते हैं। सब्जी बाड़ी को ही हाथी अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुदमुरा रेंज में घूम रहा दंतैल हाथी वापस धरमजयगढ़ लौट गया है। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, लेकिन 15 हाथी बांसबाड़ी के जंगल में आने से दहशत में रहे।

खेल खेल में बच्ची ने पी लिया जहर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली दो साल की बच्ची ने खेल-खेल में कीटनाशक पी लिया। उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक अब बच्ची की हालत स्थिर है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक कन्हैया शर्मा गोकुलनगर स्थित जिला जेल के पीछे परिवार के साथ रहते हैं। उनकी दो साल की बेटी ने खेल-खेल में घर में रखे कीटनाशक उठाकर पी लिया। काम पर गए पिता को घर से सूचना मिलते ही वे तुरंत बच्ची को लेकर जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि दवा केवल बच्ची के शरीर के अंगों पर लगी थी और उसने इसका सेवन नहीं किया था। डॉक्टरों ने बच्ची का प्राथमिक उपचार किया। कन्हैया शर्मा ने बताया कि बच्ची की हालत अब स्थिर है और उसे कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है।

सोशल मीडिया ने पारिवारिक रिश्तों में घोला जहर

घरेलू विवाद से आहत विवाहिता ने पीया कीटनाशक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव अब पारिवारिक रिश्तों में भी जहर घोलने लगा है। ऐसा ही एक गंभीर मामला पड़ोसी जिले रायगढ़ से सामने आया है, जहां सोशल मीडिया को लेकर हुए घरेलू विवाद से आहत एक विवाहिता ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली 23 वर्षीय चमेली विश्वास का अपने परिवार के साथ सोशल मीडिया को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गंभीर पारिवारिक कलह में बदल गई। इसी मानसिक तनाव और आहत अवस्था में चमेली ने खेतों में फसलों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कीटनाशक की कुछ मात्रा का सेवन कर लिया। जहर सेवन के कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टी, चक्कर और बेहोशी जैसी हालत होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन बिना समय गंवाए उसे तत्काल इलाज के लिए कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे आपातकालीन वार्ड में भर्ती किया और उपचार शुरू किया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार विवाहिता की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उसे आईसीयू में रखा गया है और जरूरी दवाइयों के साथ अन्य चिकित्सकीय जांचें की जा रही हैं। इधर मामले की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस भी सक्रिय हो गई है। पुलिस ने परिजनों से प्रारंभिक पूछताछ की है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि युवती के बयान के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

पुरानी रंजिश को लेकर कुत्ते से कटवाया

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुरानी रंजिश को भुनाने के लिए एक युवक ने दूसरे युवक पर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया।

प्रार्थी किशन पटेल दादरखुर्द नीचे मोहल्ला बजरंग चौक में रहता है व मजदूरी का काम करता है। 14 जनवरी को वह रात्रि 8.15 बजे अनिल पटेल के घर पास बैठा था। वहां उसके साथ सत्या यादव व अनिल पटेल भी बैठे थे तभी मनोज पटेल के पालतू कुत्ते को मनोज का छोटे भाई बबलू लेकर आया और पुरानी रंजिश को लेकर अपने पालतू काला रंग के कुत्ता को किशन की तरफ छोड़ दिया। कुत्ता ने किशन के दाहिना हाथ व दाहिना पैर में काट दिया।मामले में किशन पटेल की रिपोर्ट पर आरोपी बबलू पटेल के विरुद्ध जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

दीपका क्षेत्र के अधिग्रहित ग्रामों का किया गया निरीक्षण

ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण पर जताया सकारात्मक सहयोग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा ने हाल ही में अधिग्रहित ग्राम कटकीडाबरी एवं नवापारा का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ महाप्रबंधक (संचालन) संजीव कुमार, राजस्व विभाग के नोडल अधिकारी रोशन मेश्राम व अनिल पाटले उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान ग्राम सरपंच ओमप्रकाश कंवर, जनपद सदस्य नेहा तनवर तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। दौरे के दौरान ग्रामीणों द्वारा तालाब सौंदर्यीकरण, सड़क निर्माण एवं धूल नियंत्रण के लिए जल छिड़काव कार्यो की मांग रखी गई, जिस पर एरिया महाप्रबंधक द्वारा शीघ्र ही सभी कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों द्वारा भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक सहयोग व्यक्त किया गया। इस अवसर पर सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कटकीडाबरी शासकीय विद्यालय को पाँच पंखे भेंट किए गए।

बाल संप्रेषण गृह से फरार अपचारी बालक की चल रही तलाश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोहड़िया स्थित बाल संप्रेषण गृह से 16 वर्षीय अपचारी बालक खिड़की की रॉड तोड़कर फरार हो गया है। यह घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र में हुई, जिसके बाद संप्रेषण गृह में हड़कंप मच गया।

खिड़की की रॉड तोड़कर हुआ फरार

अधिकारियों ने तत्काल सीएसईबी चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है।

फरार हुआ बालक जांजगीर-चांपा का निवासी है। उसे चोरी के मामले में 9 दिन पहले ही इस संप्रेषण गृह में लाया गया था। बताया जा रहा है कि यह बालक पहले भी भाग चुका है। कुछ महीने पहले भी इसी बाल संप्रेषण गृह से तीन अपचारी बालक फरार हो गए थे। वे किचन शेड में काम करते समय मौका पाकर भागे थे। हालांकि उन तीन में से एक बालक बाद में वापस आ गया था। पिछली घटना के बाद मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने संप्रेषण गृह का निरीक्षण किया था। उन्होंने संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए थे। वर्तमान में संप्रेषण गृह में कुल 33 अपचारी बालक निरुद्ध हैं।

2 दिनों में 14 दुकानों से 248 क्विंटल धान जब्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। समर्थन मूल्य पर धन खपाने की आशंका पर कृषि उपज मंडी कटघोरा की टीम ने 2 दिनों में 14 दुकानों से 248 क्विंटल धान जब्त किया है। मामले में मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई से दुकान संचालकों में हड़कंप मच गया है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने अवैध धान की बिक्री पर रोक लगाने की निर्देश दिए हैं। इसके बाद मंडी सचिव नारायण पटेल और उपनिरीक्षक अवकाश भारद्वाज की टीम जांच कर रही है। कोरबा ब्लॉक के श्यांग में आयुब मेमन के दुकान से 15.60 क्विंटल, श्रवण कुमार अग्रवाल के गोदाम से 10 क्विंटल, करतला में अशोक कुमार अग्रवाल के गोदाम से 10.40 क्विंटल धान जब्त किया गया। इसी तरह पाली ब्लॉक में उप निरीक्षक दिनेश कुमार ने दुकानों की जांच की। रजकम्मा में ऋषभ शर्मा के गोदाम से 14 क्विंटल, रमेश शर्मा के गोदाम से 19.60 क्विंटल, चैतमा में धर्मेंद्र अग्रवाल के गोदाम से 12 क्विंटल और दशरथ प्रजापति के गोदाम से10 क्विंटल धान जब्त किया गया। इसके पहले टीम ने बरपाली के मोहर सिंह शर्मा संदीप ट्रेडर्स के गोदाम से 103 बोरी धान जब्त किया था। लकेश्वर प्रसाद साहू के गोदाम से 63 बोरी, प्रवीण कुमार शर्मा के गोदाम से 95 बोरी, और तुमान में बसंत अग्रवाल के गोदाम से 27 बोरी धान जब्त किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623